व्यापारिक भविष्य फल (पूर्वानुमान)

❖ संवत् 2083 में गुरु का तीन राशियों - मिथुन, कर्क तथा सिंह से गोचर शुभ नही है। विभिन्न कारणो से जनहानि होगी।

❖ 02 अप्रैल से 11 मई के मध्य मंगल तथा शनि के मीन राशि से गोचर में वैश्विक राजनैतिक वातावरण बिगड़ेगा। युद्ध जैसी भीषण परिस्थितियो बनेगी। किन्ही देशो के मध्य युद्ध होने की सम्भावना से इन्कार नही किया जा सकता। आर्थिक मंदा आयेगा। कृषि की हानि होगी। अप्रैल मास में किसी स्थान पर उल्कापात होगा।

❖ मई मास में शनि से दृष्ट बुध से विश्व के अनेक देशो में युद्ध-आतंकवाद, प्रोक्सी वार चलेगी। झगड़े, झंझटो उपद्रव - अग्निकांड होगे।

❖ जून मास में आर्थिक स्थिति चिंता जनक रहेगी।

❖ शनि के वक्रत्व तथा गुरु के अतिचार से 19 जून से 05 सितम्बर की अवधि में युद्ध- आतंकवाद से वैश्विक जन-धन हानि होगी।

❖ गुरु के अतिचार की अवधि में 26 जुलाई से वक्री हो रहे शनि से वर्षा में कमी तथा अनावृष्टि से कृषि की हानि होगी।

❖ 10 से 13 अगस्त 2026 के मध्य सूर्य, बुध, गुरु तथा चन्द्रमा के कर्क से गोचर में तथा अगस्त एवं सितम्बर में सूर्य से आगे शुक्र तथा पीछे गुरु के गोचर से अच्छी वर्षा होगी।

❖ 20 अगस्त तक मंगल के अतिचार से वर्षा में कमी तथा इसी अवधि में गुरु के अतिचार से अधिक वर्षा होने से किसी स्थान पर अधिक तथा किसी स्थान पर कम वर्षा होगी। समग्र प्रभाव से समय मध्यम वर्षा का रहेगा।

❖ 29 जनवरी, 28 फरवरी, 10 जून, 07 अक्तूबर में वर्षा योग है। चातुर्मास के कृष्ण पक्ष में तिथि के क्षय से वर्षा ऋृतु में निरन्तर वर्षा होगी। 19 सितम्बर से गुरु तथा मंगल के कर्क राशि से गोचर में वर्षा समाप्त प्राय: रहेगी।

❖ मार्गशीर्ष मास में पूर्णिमा, पौष में शुक्ल द्वादशी, माघी पूर्णिमा, फाल्गुन शुक्ल दशमी तथा चैत्र मास में शुक्ल चतुर्दशी, मार्गशीर्ष मास से लगातार पांच महीनो में शुक्ल तिथियो के क्षय से राज्यो में विग्रह विवाद रहेगे। सत्ता परिवर्तन होगा। प्रजा में अव्यवस्था रहेगी।

❖ 19- 20 जनवरी 2027 तथा 22 से 24 जनवरी के मध्य दिग्दाह योग बन रहा है। वातावरण में गर्मी रहेगी।

सवंत् 2083: संवत् के चैत्र तथा श्रावण मास पांच गुरुवार युत होने से अनाजो में अच्छी तेजी रहेगी। सत्ता परिवर्तन होगा।

❖ 13 फरवरी से 02 मार्च 2026 तक सूर्य बुध तथा शुक्र के कुंभ राशि से गोचर में सभी प्रकार के अनाजो में तेजी रहेगी, मंहगाई बढ़ेगी।

❖ वर्षारम्भ से 12 जनवरी 2026 तक सूर्य, मंगल, शुक्र के मकर राशि से गोचर में घी, तैल, मसूर, अनाज, महंगे रहेगे। किसी प्रकार का भय व्याप्त होगा।

❖ आषाढ़ मास में दो तिथियो - कृष्ण एकादशी तथा शुक्ल चतुर्थी के क्षय से घी, तैल, तिल तथा तिलहनो में तेजी रहेगी।

व्यापारिक भविष्य फल वि. संवत् 2082- 2083 (सन् 2026-27 ई.)

कर्ता ज्योतिषी : प्रवीन कुमार जैन

सवंत् 2083: 1. वर्ष पर्यन्त शनिदेव के मीन राशि से गोचर में पहले छः मास तक प्रायः ही सभी व्यापारिक वस्तुओ में मंदा चलेगा। सोना, चांदी में पहले छः मास तक तेजी चलेगी, बाद में मंदा आयेगा। तिलहन में तेजी आकर फिर बफर स्टाक में कमी आयेगी। गुड़, शक्कर, खांड, घी, सोंठ, नारियल तथा सभी प्रकार के अनाजो में तेजी बनेगी। शनि के साथ शत्रु तथा पाप ग्रहो का योग होने पर अथवा वेध होने पर भारी तेजी आयेगी। शुभ ग्रहो का योग अथवा वेध होने पर कम तेजी आयेगी। भूकम्पो से जनधन हानि होगी। तेज आधिंया चलेगी। समुद्री क्षेत्रो में तूफानो से हानि होगी। पेयजल की कमी रहेगी। मीन के शनि से राजनैतिक विवाद रहेगे। युद्धादि से जन हानि होगी।

2. 18 फरवरी : बुधवारी फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा से सवंत् 2083 का समग्रफल कष्टमय रहेगा। . संवत् के चैत्र तथा श्रावण मास पांच गुरुवार युत होने से अनाजो में अच्छी तेजी रहेगी। सत्ता परिवर्तन होगा। ज्येष्ठ तथा कार्तिक मास की रविवारी अमावस्या से अनाज मंहगे रहेगे।

3. 12 नवम्बर से 05 दिसम्बर 2026 तक मंगल से दृष्ट राहु से सरसों, तिलहन, राई अच्छी तेजी रहेगी। शेयरो में मंदा रहेगा। सन, सूत का स्टाक लाभ देगा।

ग्रह गोचर आधारित तेजी मंदी विचार

* जनवरी 2026 *

01 जनवरी 2026: गुरुवारी त्रयोदशी की वर्षा में खरीदा गया गेहूँ लाभ देगा। 03 जनवरी 2026 : आज की वर्षा से दो मास में रुई में मंदा आयेगा।

माघ मास : 04 जनवरी 26 से प्रारम्भ माघ कृष्ण पक्ष में चतुर्थी तिथि के क्षय तथा मंगल के अपनी उच्च राशि में प्रवेश से कृष्ण पक्ष में रुई में मंदा रहेगा। मास पांच रविवार युत होने से – 'यत्र मासे रवेर्वारा जायन्ते पंच संततम्। दुर्भिक्षं छत्र भंग स्यात्तदास्ते च महद्भयं।।' वर्षा की कमी से कृषि उत्पादन प्रभावित होगा। जनता तथा शासन में परस्पर मतभेद बढ़ेगे। सत्ता परिवर्तन होगा। युद्ध जैसी अफवाहों का बाजार गरम रहेगा। जनता रोग अशान्ति तथा भय से पीड़ित होगी। रुई में घटबढ़ चलेगी। घी, तेल, अनाज में तेजी आयेगी। 04 जनवरी: माघ बदी पंचमी, षष्ठी तथा सप्तमी में क्रमशः शुक्र, शनि तथा रविवार का योग न होने से भाद्रपाद मास में अन्न मंहगे रहेगे। 07 जनवरी: बुध पूर्वाषाढ़ में 00:01 पर : गुड़, शक्कर, खांड़, सरसों, अलसी, बिनोला, रुई, कपास में तेजी रहेगी। गेहूँ, जौ, चना, मटर, उड़द, मूंग, बाजरा, ग्वार, सोना, चांदी में मंदा आयेगा। किसी बीमारी का प्रकोप होगा। आगे ग्रीष्म ऋतु कष्टकारी रहेगी। 08 जनवरी: प्रातः 07:13 पर चन्द्रमा – शुक्र के त्रिकोण योग से रुई में साधारण घटबढ़ रहेगी। 10 जनवरी: शुक्र उ.षाढ में 12:21 पर : रात्रि 01:25 पर गुरु– शुक्र प्रतियुति से रुई में तेजी रहेगी। गुड़, शक्कर, खांड अलसी सरसों, रसकस, सोना, चांदी, अरण्डा में मंदा रहेगा। अनाज तेज होंगे।

11 जनवरी: सूर्य उ.षाढ में 08:36 पर, मंगल उ.षाढ में 21:10 पर अन्न उत्पादन संतोष जनक रहेगा। : दुग्ध एवं दुग्ध पदार्थो में कमी रहेगी। गेहूँ, चावल, खांड़, देशी शक्कर, कपास, जूट, सूत, घी, चना, धान, तिल, तैल, चांदी, हल्दी में तेजी मिलेगी। रुई में अच्छी तेजी का योग है। राई, सरसो, उड़द, मूंग, बांस, साधारण तेज रहेगे। गुड़ में मंदा रहेगा। घी में घटबढ़ चलेगी। किसी स्थान पर बर्फबारी होगी। 14 दिनों में लाख, चपड़ा, पीपला मूल, मूंज, बांस, कपास, रेशम, मूंग, चावल, उड़द, सरसों, गुड़ तेज होंगे। 13 जनवरी: शुक्र मकर में रात्रि 03:58 पर: शेयर्स, अफीम, गुड़, खांड़, शक्कर, घी, तेल, बारदाना, गेहूँ, चना, ज्वार, बाजरा आदि सभी अनाजो में तेजी आयेगी। रुई, सूत, सन तथा चांदी में घटाबढ़ी से तेजी बनेगी। सोना में मंदा आयेगा। ठंड़ तथा पाले से कृषि की हानि होगी।

14 जनवरी: सूर्य मकर में 15:07 पर : व्यापार बढ़ेगा। धान्यो में मंदा रहेगा। घास, भूसा भाव प्रायः स्थिर रहेंगे। मोती, दूध, दही, घी, अलसी, तैल, तिल, गुड़, खांड़, शक्कर रुई, लाल वस्त्र, कसुंभा, मजीठ, केसर, केसुला, केसरा, हल्दी मंहगी होगी। कपड़े की मांग बढ़ेगी। चांदी में कभी तेजी तो कभी मंदा चलेगा। गेहूँ आदि अनाज तथा बारदाना में मंदे का रुख रहेगा। गुड़ का संग्रह करने से दो मास के बाद लाभ होगा। भूमि से आजीविका कमाने वाले लेन्ड लोर्ड पीड़ित होंगे। तापमान में सामान्य गिरावट रहेगी। रोगो से चौपाये पशुओ की हानि होगी। स्लाटर हाउसज से एक्सपोर्ट अधिक होगा। हाई नेटवर्थ व्यापारियो हानि में रहेगे। तेज हवाये चलेगी। मध्य भारत में वर्षा होगी। 15 जनवरी: बुध उ.षाढ में 09:19 पर : कृषि उत्पादन संतोषजनक रहेगा। धान्यो तथा अन्य व्यापारिक वस्तुओ में मंदा बनेगा। शिशुओ में कोई रोग होगा। 16 जन. मंगल मकर में 04:28 पर: रुई, कपास, सोना, चांदी, तांबा, गुड़, खाण्ड़,

घी, तैल, तिल, तिलहन, सरसों, अलसी, अरंड़ा, ऊन, गुड़, खांड, शक्कर में तेजी रहेगी। धान्य सस्ते होगे। 17 जनवरी: बुध मकर में 10:24 पर: सोना, चांदी तथा रुई में तेजी रहेगी। गुड़, खांड़, घी, तैल में मंदा आयेगा। गेहूँ, जौ, चना के भावो में विशेष परिवर्तन नही होगा। सामान्य घटबढ़ चलेगी। किन्ही स्थानो पर तेज हवाओ के मध्य वर्षा होगी। 18 जनवरी: मध्यान्ह 13:09 तक मंगल बुध की युति से चांदी में मंदा रहेगा। इसके बाद रात्रि 21:27 से चांदी तेज होगी। 20 जनवरी : शनि उ.भाद्रपद में 10:52 पर: चांदी, चंदन, केसर, कुंकुम, अनाज तेज रहेंगे। 21 जनवरी : शुक्र श्रवण में 02:50 पर : तिल, तैल तेज रहेंगे। रुई में मंदा आकर तेजी बनेगी। चांदी, सोना, गुड़, खांड, शक्कर, मूंग, मोठ, उड़द, अनाज मंदे होंगे। रात्रि 21:16 पर सूर्य बुध युति से चांदी तेज रहेगी। सूर्य बुध की युति तक रुई में तेजी रहेगी। इसके बाद रुई के भाव गिरने लगेंगे। 21 जन.: रुई में मंदा रहेगा। 21 जन.: शुक्र श्रवण में 02:50 चांदी, सोना, गोला, गुड़, शक्कर, खांड़, उड़द, मूंग में मंदा आयेगा। कपास, तैल, अलसी, अरण्ड़ी में तेजी बनेगी। रुई में मंदा आकर तेजी बनेगी। 23 जन.: बुध श्रवण में 10:25 पर : गुड़, शक्कर, खांड़, चावल, चना, गेहूँ में तेजी आयेगी। खेती को पाला अथवा ओला वृष्टि से हानि होगी। चने की फसल विशेष रुप से प्रभावित होगी। आज यदि आकाश में बादल छाये रहे तो फाल्गुन मास में रुई तेज रहेगी। पंचमी, षष्ठी तथा सप्तमी में बादल रहे तो फाल्गुनी पूर्णिमा से रुई के भावों में गिरावट आयेगी। इसके विपरीत यदि बादल न रहे तो फाल्गुनी प्रतिपदा से रुई के भाव बढ़ेंगे। 10 दिनो में गुड़, खांड, अलसी, चना, चावल तेज होंगे।

24 जनवरी: सूर्य श्रवण में 10:50 पर : सभी प्रकार के अन्नो में विशेषकर गेहूँ में तेजी आयेगी। उड़द, मूंग, जूट, सूत, कपास, बांस, सरसों, गुड़, खांड़, चीनी, रुई, कपास, सन, जौ, गेहूँ, सन, सोना, चांदी मंहगे होगे। तापमान में गिरावट आयेगी। आज की वर्षा से रुई तेज होगी, यदि आकाश स्वच्छ रहा तो चैत्र मास में रुई तेजी रहेगी। 14 दिनों में सोना, चांदी आदि धातु, करेंसी, अफीम आदि मादक पदार्थ अलसी, जौ, गेहूँ, चावल में तेजी आयेगी। 25 जनवरी: रविवारी शुक्ल सप्तमी से दुर्भिक्ष, विग्रह तथा भय का वातावरण बनेगा। 29 जनवरी: मंगल श्रवण में 00:38 पर : तिल, तैल, गेहूँ, जौ, चना, तांबा, पीतल, जस्ता, सोना, चांदी, अफीम आदि मादक पदार्थो में तेजी बनेगी। रोगो का प्रकोप बढ़ेगा। रात्रि 02:03 पर चन्द्रमा – शुक्र के त्रिकोण योग से रुई में साधारण घटबढ़ रहेगी। मध्यान्ह 15:47 पर बुध शुक्र युति से रुई, अलसी में मंदा आयेगा। युति का प्रभाव चांदी पर भी होगा। 20 दिनो में गेहूँ में अच्छी तेजी आयेगी। 31 जनवरी: शुक्ल चर्तुदशी के क्षय से आगे एक मास तक रुई में मंदा रहेगा। बुध धनिष्ठा में 03:25 पर, शुक्र धनिष्ठा में 17:37 : शुक्र धनिष्ठा में 17:37 पर : गेहूँ, सोना, चांदी, पीतल, जस्ता, तथा धान्यों में मंदा रहेगा। दुधारु पशु कष्ट में रहेंगे। चावल, मूंग, मोठ, उड़द, अरहर, ज्वार, बाजरा, चांदी, सोना, रुई कपास में तेजी आयेगी। भारवाहक वाहनो के अक्समात बढ़ेगे।

* **फरवरी** 2026*

01 फरवरी 2026: अलसी मंदी होगी। सरसों तथा अनाज मंहगे होगे। माघी पूर्णिमा के दिन बादल छाये रहे तो रुई, सूत, कपास, घी आदि सफेद वस्तुओं में डेढ़ मास में अच्छी गिरावट आयेगी। फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की वर्षा से एक मास तक रुई तेज रहेगी। रविवारी पूर्णिमा से 10 दिनो में रुई में घटबढ़ चलेगी।

फाल्गुन मास: पांच सोमवार तथा पांच मंगलवार युत मास में शेयर बाजार में उथल पुथल रहेगी। रुई, सूत, कपास, चांदी में तेजी आयेगी। पांच सोमवार से मास में अच्छी वर्षा होगी। कृषि उत्पादन अच्छा रहेगा। व्यापारिक वस्तुओ में अच्छी घटाबढ़ी के साथ मंदे का रुख प्रबल रहेगा। अनाज, तिल, तैल, गुड़, खांड़, रुई, सूत के भाव प्राय: ही स्थिर रहेगे। मास पांच मंगल युत होने से लाल वस्तुओं तथा धान्यों में तेजी आयेगी। रुई, चांदी में घटबढ़ रहगी। युद्ध जैसी परिस्थितियां बनेगी। सत्ता परिवर्तन होगा। मंत्री मंड़ल में परिवर्तन होगा। आपसी कलह, अशान्ति तथा रक्त विकार से हानि होगी। स्त्रियों में रक्त विकार, प्रदर रोग फैलेगा।

02 फरवरी: शुक्रोदय पश्चिम में 23:55 पर : मकर राशि, धनिष्ठा नक्षत्र, फाल्गुन मास के शुक्रोदय से गेहूँ तथा अन्य धान्यो में तेजी रहेगी। चांदी में मंदा रहेगा। 03 फरवरी: बुध कुंभ में 21:52 पर: मूंग, मोठ, अरहर, ज्वार, कपास, चावल, उड़द, सुपारी, सरसों, सोंठ, लाख तथा चमड़े में तेजी बनेगी। अन्न बाजार भाव स्थिर रहेगे। तम्बाकू, अलसी, रुई में मंदा होगा। घी, तैल, रसकस, गुड़, खांड़, शक्कर में घटाबढ़ी के बाद मंदा बनेगा। सोना, चांदी, तांबा, पीतल में मंदा आकर तेजी आयेगी। 05 फरवरी: बुधोदय पश्चिम में 11:52 पर : रुई, कपास, सूत, चांदी में 15 दिनो में मंदा होगा। घी, तैल, अरण्ड़ी, सरसों तथा धान्यो में तेजी बनेगी। अलसी घटाबढ़ी में रहेगी। 06 फरवरी: शुक्र कुंभ में 01:11 पर, सूर्य धनिष्ठा में 14:05 पर : सोना, चांदी, तांबा, लोहा, गेहूँ, जौ, चना, रुई, चावल, कपड़ा, अनाज, उड़द, मूंग, मसूर, ज्वार, बाजरा, सूत, सन, गुड़, खांड़, जूट, तिलहन, अलसी, फल, फूल में तेजी आयेगी। सफेद वस्तुओ एवं रसकस में मंदा रहेगा। रोगो का प्रकोप कम होगा।14 दिनों में मूंग, मसूर, नील में तेजी आयेगी। किसी स्थान पर उपद्रव होगे। वर्षा होगी। ठंड बढ़ेगी। 07 फरवरी बुध शतभिषा में 16:29 पर : चित्रा युत फाल्गुन कृष्ण षष्ठी से तीन मास तक अनाजो में मंदे का प्रभाव रहेगा। सोना, चांदी, सन, सूत मंहगे होगे। अन्न में कुछ स्थानों पर तेजी तथा अन्य स्थानों पर भावों में स्थिरता रहेगी। किन्ही स्थानो पर वर्षा के छींटे पड़ सकते है। सांय 17:29 पर चन्द्रमा - शुक्र के त्रिकोण योग से रुई में साधारण घटबढ़ रहेगी। 11 फरवरी: शुक्र शतभिषा में 08:52 पर, गेहूँ, गुड़, शक्कर, खांड, रुई, कपास, चावल, घी, तिल, तैल, सरसो, अलसी, अरण्ड़ी, सोना, चांदी, चौपाये तेज होंगे।

13 फरवरी सूर्य कुंभ में 04:09 पर: सोना, चांदी, धान्य बाजार भाव स्थिर रहेगे। तैल, सरसों, लाही अलसी, मूंगफली, अलसी, राई के भावों में सामान्य तेजी मिलेगी। पटसन, बारदाना, गुड़, खांड़, शक्कर, गन्ना, मक्का, ज्वार बाजरा, ऊनी रेशमी वस्त्र तथा किराने की वस्तुओ में मंदा रहेगा। रुई, सूत, बिनोला, कपास में घटबढ़ चलेगी। जौ, चना गेहूँ, में घटाबढ़ी के बाद तेजी आयेगी। 15 फरवरी : मंगल धनिष्ठा में 00:38 पर, बुध पू.भाद्रपद में 21:33 पर : अन्न पदार्थो की उपलब्धता में कमी रहेगी। तांबा, पीतल, जस्ता, सोना, चांदी, गेहूँ में तेजी बनेगी। लोहा, गुड़, खांड़, शक्कर तथा रसकसो में मंदा रहेगा। रुई, सूत में घटाबढ़ी चलेगी। झगड़े झंझट होगे। 16 फरवरी : सांय 17:35 से प्रारम्भ सोमवारी अमावस्या में चांदी में मंदा आयेगा। मंदा 15 दिन आगे पीछे होगा। 17 फर.: रुई में मंदा आयेगा। 18 फरवरी : बुधवारी फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा से अगले तीन मास में धान्यो में तेजी आयेगी।

19 फरवरी : सूर्य शतभिषा में 18:33 पर : चांदी, सोना, गेहूँ, चना, गुड़, खांड़, रुई, सूत, कपास, जूट, कपड़ा, घी, सरसों, तिल, तैल, छुवारा, सोंठ, द्राक्ष, जायफल, हींग, नील हल्दी में तेजी आयेगी। प्रात: 04:38 पर कुंभ राशि में चन्द्र- बुध युति से रुई में मंदा आयेगा, चांदी तेज होगी। 14 दिनों में खार, सौंठ, द्राक्ष, जायफल, हींग, नील, कपड़ा, सरसों, सन, चांदी, तैल में तेजी बनेगी। 22 फरवरी: शुक्र पू.भाद्रपद में 00:37 पर, रुई में तेजी मिलेगी। गेहूँ, जौ, चना आदि अनाज सस्ते होगे। वर्षा की अधिकता रहेगी। रुई में 10 से 15 टके की तेजी बनेगी। वर्षाकाल में उत्तम वर्षा योग है। 23 फरवरी: मंगल कुंभ में 11:50 पर: रुई, चांदी घटबढ़ में रहेगी। गेहूँ आदि सभी अनाजो, मूंग, जौ, मोठ, बाजरा, सोना, गुड़, खाण्ड, शक्कर, रस, फल में तेजी रहेगी। 24 फरवरी : सप्तमी के कृतिका नक्षत्र से भाद्रपद अमावस्या में वर्षा होगी। आज बादल, बिजली, हवा आदि न होने पर कृषि अच्छी होगी। मध्यान्ह 15:07 से अष्टमी तिथि रोहिणी नक्षत्र से अनाजो में तेजी बनेगी। 25 फरवरी : रोहिणी युत शुक्ल नवमी से मध्यम वर्षा होगी। शुक्र कुंभ के 24 अंशो से शुक्र के गोचर में मंहगाई बढ़ेगी। 26 फरवरी: बुध वक्री कुंभ में रात्रि 00:19 पर : आर्थिक स्थिति चिंता जनक बनेगी। ईख, गुड़, खाण्ड़, शक्कर, घी, तिल, तैल, सरसों, अलसी, अरण्ड़ी, बिनौला, मूंगफली, तिलहन, कपूर, नारियल, सुपारी, किराना में तेजी आयेगी। रुई में तेजी आकर मंदा होगा। गेहूँ, जौ, चना रसकस में मंदा चलेगा। चांदी में घटबढ़ रहेगी। किसी स्थान पर वर्षा होगी। 27 फरवरी : रात्रि 22:33 पर सूर्य राहु की युति से रुई में मंदा आयेगा। रात्रि 23:30 पर चन्द्रमा - शुक्र के त्रिकोण योग से रुई में साधारण घटबढ़ रहेगी। 28 फरवरी: पूर्वान्ह 11:04 पर बुध -शुक्र युति से रुई, अलसी में मंदा आयेगा। युति का प्रभाव चांदी पर भी होगा।

* **मार्च** 2026 *

01 मार्च : बुधास्त पश्चिम में 20:41 पर : धान्यो में तेजी का रुख रहेगा। रुई, चांदी में तेजी होकर मंदा आयेगा। शेयर्स, हैसियन, बारादाना में गिरावट रहेगी। तेज आंधिया चलेगी, वृक्ष गिरेगे। 02 मार्च : शुक्र मीन में 00:57 पर : मंहगाई बढ़ेगी। खाद्यान्नो का बफर स्टाक घटेगा। घी, रुई, चांदी में तेजी बनेगी। धान्य, सरसों, तैल, तिलहन, अलसी, अरण्ड़ी, गुड़, खांड़ में मंदा रहेगा। 03 मार्च : मंगल शतभिषा में 22:54 पर: मंगलवारी फाल्गुनी पूर्णिमा से चावल, घी, गेहूँ के स्टाक से चैत्र मास में लाभ होगा। रुई में मंदा आकर तेजी बनेगी। सोना, चांदी में घटबढ़ रहेगी। कीटो से कृषि प्रभावित होगी परन्तु उत्तम कृषि उत्पादन से अन्नो में मंदा रहेगा। विवादो, उपद्रवो से शांति भंग होगी।

चैत्र मास: चैत्र कृष्ण पक्ष में दशमी की वृद्धि तथा शुक्ल पक्ष में प्रतिपदा के क्षय से 'मधुमासे कृष्ण पक्षे तिथिवृद्धिर्यदा भवेत। शुक्लपक्षस्य हानिः स्यादन्नहीना तदा मही ।।' धान्यो में तेजी आयेगी। तीन बुधवारी कृष्ण पक्ष में घी में तेजी रहेगी। पांच बुधवार तथा पांच गुरुवार युत मास में रुई में मंदा रहेगा। चांदी में घटबढ़ चलेगी। शेयर बाजारो में तेजी रहेगी। पांच **बुधवार** से 'बुधस्य पंच वाराश्चेज्जायन्ते च निरन्तरम्। प्रजानां सुखमत्यन्तम सुभिक्ष च प्रजायेत।। एक पक्ष में मंदे तथा एक पक्ष में तेजी का चक्र चलेगा। धान्य आदि के भावो में न तो अधिक तेजी आयेगी और न ही अधिक मंदा होगा। रुई, चांदी में घटबढ़ रहेगी। यदि इस मास में रुई में तेजी रही तो अगले मास मे रुई में मंदा रहेगा और यदि इस मास में मंदा रहा तो अगले मास में तेजी आयेगी। एक मास में सोना, गुड़, खांड, घी, तेल, तिलहन, केसर, रसकस के भाव बढ़ेगे। कुछ स्थानों पर साधारण वर्षा रहेगी। मास के पांच **गुरुवार** से - यत्र मासे पंचवारा जायन्ते च बृहस्पतेः। विग्रह पश्चिमी देशे खड्ग युद्धञ्च जायते।। पश्चिमी देशो में सशस्त्र युद्ध का योग रहेगा। व्यापारिक वस्तुओ में घटाबढ़ी के बाद मंदे का रुख रहेगा। रसकस में तेजी चलेगी। सोना, रुई, सूत, कपड़े में तेजी आयेगी। चांदी में मंदा रहेगा।

04 मार्चः शुक्र उ. भाद्रपद में 17:10 पर : अदरक, हल्दी, प्याज, लहसुन, मूल पदार्थ तथा फल तेज होंगे। गेहूँ, जौ, चना, रुई, कपास, चावल, गुड़, शक्कर, खांड़, नमक, कपूर, सोना, चांदी मोती में मंदा रहेगा। 05 मार्चः सूर्य पू.भाद्रपद में 00:54 पर : चावल, ज्वार, बाजरा, पीपल, गुड़, खांड़, देशी शक्कर, सरसों, तिल, तैल, सोना, चांदी, गेहूँ, चना, उड़द, गूग्गल, घी, रुई, कपास, सूत, रेशम में तेजी मिलेगी। 07 मार्चः सांय 16:33 पर सूर्य बुध युति से चांदी तेज रहेगी। रात्रि 21:16 पर सूर्य बुध की युति तक रुई में तेजी रहेगी। इसके बाद रुई के भाव गिरने लगेंगे। 08 मार्चः रात्रि 19:08 पर शुक्र शनि की युति से घी, तैल में तेजी आयेगी। अलसी में घटबढ़ चलेगी। 10 मार्च : बुध शतभिषा(व) में 07:55 पर: प्रातः 06:04 पर चन्द्रमा - शुक्र के त्रिकोण योग से रुई में साधारण घटबढ़ रहेगी। रात्रि 21:18 पर मिथुन में मार्गी हो रहे गुरु से धान्यो तथा चांदी में मंदा आयेगा। तीन दिनो में रुई मंदी होकर तेज होगी। जलोत्पन्न वस्तुओ, सी फूडस में मंदा आयेगा। 11 मार्च : शनि अस्त पश्चिम में 11:28 पर : अनाज, बारादाना, पाट,

रसकस, तेल, तिलहनों में तेजी रहेगी। अन्य व्यापारिक वस्तुओं में भारी घटाबढ़ी के बाद तेजी आयेगी। रुई में तेजी आकर मंदा आयेगा। कपड़ा, सोना में मंदा रहेगा। 13 मार्च: पूर्वान्ह 11:29 पर राहु मंगल युति से टैक्स्टाईल सैक्टर, सूत तथा कपड़े मंदे में रहेगे। चांदी, अलसी, सीसा तेज होगा।

15 मार्च: सूर्य मीन में 01:03 पर, शुक्र रेवती में 10:39 पर, बुधोदय पूर्व में 16:22: : बुधवारी संक्राति से रस पदार्थो में- गुड़, खांड़, सरसों, अलसी, तिल, तैल, तिलहन, सोना में मंदा आयेगा। धान्य पहले तेज होकर बाद में मंदे होगे। मध्यान्ह 13:40 तक मंगल बुध की युति से चांदी में मंदा रहेगा, इसके बाद से चांदी तेज होगी। गेहूँ, जो, चना, अलसी, अरण्ड़ी, तिल तैल, सरसों, लाल मिर्च तेजी में रहेगी। रुई, कपास, सूत, सन, चावल, चन्दन, कपूर, गुड़, खांड, शक्कर, चांदी, बहुमूल्य रत्नो में मंदा रहेगा। 16 मार्च: रुई में मंदा आयेगा। 17 मार्च: रात्रि 20:55 पर कुंभ राशि में चन्द्र- बुध युति से रुई में मंदा आयेगा, चांदी तेज होगी। 18 मार्च : सूर्य उ.भाद्रपद में 09:21 पर : सोना, चांदी, रुई, गुड़, खांड़, शक्कर, गेहूँ, कपड़ा, अनाज, नमक में तेजी आयेगी। 20 मार्च 2026 : रेवती नक्षत्र युत चैत्र शुक्ल गुरुवारी प्रतिपदा से चातुर्मास में अच्छी वर्षा होगी। भूसा तथा भूसे वाले धान्यो का उत्पादन श्रेष्ठ रहेगा। शुक्रवारी द्वितीया से 15 से 20 दिनो में रुई तेज होगी। सोना तेज होगा। धान्यो भाव स्थिर रहेगे। बुध मार्गी कुंभ में 13:07 पर, मंगल पू.भाद्रपद में 21:21 पर: सूत, कपास, कपड़ा, अरण्ड़ी, अलसी, सरसों, घी, तिल, तैल, सोना, वायविड़ंग, नमक, गुड़, खांड़, शक्कर, नारियल, सुपारी, सोंठ, लाख, चमड़ा में तेजी आयेगी। रुई में मंदा आकर तेजी बनेगी। चांदी में घटाबढ़ी से तेजी आयेगी।

24 मार्च 2026: मंगलवारी शुक्ल षष्ठी में गुड़, गेहूँ, मिर्च आदि लाल रंग की वस्तुओ में तेजी रहेगी। 26 मार्च: शुक मेष राशि अश्विनी नक्षत्र में 05:09 पर: जौं, तिल, उड़द का उत्पादन कम रहेगा। गेहूँ, जौ, चना, मटर, मूंग, मोठ, अरहर, घी, सोना, चांदी, दूध, घी, चावल, भूसे वाले धान्य में तेजी रहेगी। गुड़, खांड़, घी, दूध, शक्कर, पटसन, बारदाना में घटबढ़ के बाद तेजी बनेगी। रुई, सूत, कपास, ऊन, सरसों, तिल, तैल अरण्ड़ी, अलसी में साधारण मंदा रहेगा। 29 मार्च 2026: रात्रि 22:58 पर चन्द्रमा - शुक्र के त्रिकोण योग से रुई में साधारण घटबढ़ रहेगी। 31 मार्च सूर्य रेवती में 20:10 पर : रुई, चावल, चांदी, सरसों, अलसी, लाख, गेहूँ, जौ, चना, अरहर, मूंग, उड़द, लहसुन, सज्जी, चपड़ा, मोती, रत्न, जलीय वस्तुओं, मोती, रत्न, फल, फूल, सुगन्धित पदार्थो, नमक में तेजी बनेगी।

* **अप्रैल** 2026 *

01 अप्रैल : बुध पू. भाद्रपद में 20:12 पर : सोना, चांदी, लोहा, तांबा तथा धान्यो में मंदा आयेगा। रुई, सूत में घटाबढ़ी चलेगी। स्वास्थय सेवाओ में सुधार होगा। किसी स्थान पर झगड़े झंझट होगे। 02 अप्रैल: गुरुवारी पूर्णिमा

से घी तैल में तेजी रहेगी। मंगल मीन 15:29 पर में : सोना, रुई, भूसा, काष्ठ, फर्नीचर, अलसी, सुगन्धित वस्तु, पशु आहार तथा पशुओ में तेजी बनेगी। धान्यो में मंदा आयेगा। चांदी में घटबढ़ चलेगी।

वैशाख मास : पांच **शुक्रवार** युत मास में – 'शुक्रस्य पंचवारास्युर्यत्र मासे निरन्त्रम्। प्रजा वृद्धि सुभिक्ष च सुखं तत्र प्रक्तते।।' चांदी में घटबढ़ रहेगी। व्यापारिक वस्तुओं में घटबढ़ चलेगी, रुख मंदे का रहेगा। रसकसो में भी मंदे का प्रभाव रहेगा। रुई में मंदा रहेगा। घी में तेजी मिलने पर प्राफिट बुक कर ले। बिनौला, रसकस तथा बाजरा मंहगा होगा।

06 अप्रैल: शुक्र भरणी में 00:59, मंगल उ.भाद्रपद में 21:56 पर : तैल, तिल, सरसों, गेहूँ, जौ, चना, चना, मूंग, मोठ, ज्वार में घटबढ़ से मंदे का रुख बनेगा। तिलो की फसल खराब होगी। सुगन्धित पदार्थो– चन्दन, कपूर, सोना, चांदी, रुई, भूसे वाले धान्यो में घटाबढ़ी के बाद तेजी बनेगी। 11 अप्रैल: बुध मीन में रात्रि 01:16 पर: रुई, कपास, बिनोला, अलसी, मेथी, लोंग में तेजी आयेगी। सोना, चांदी तेज होकर मंदे होगे। गेहूँ, चना, गुड़, शक्कर, घी, तैल, मूंगफली, अरण्ड़ा तथा मादक पदार्थो में मंदा रहेगा। घास, भूसा आदि की उपज अच्छी रहेगी। वन्य प्राणियो की हानि होगी। 12 अप्रैल 2026: रविवारी कृष्ण दशमी से गेहूँ, घी में तेजी रहेगी। रुई में मंदा आयेगा। 13 अप्रै : बुध उ. भाद्रपद में 14:22 पर– चांदी में घटबढ़ चलेगी। गुड़, खांड़, धान्य, चावल बाजार भाव स्थिर रहेगे। रुई में मंदा रहेगा। विग्रह विवाद, उपद्रव होगे। 14 अप्रैल 2026: सूर्य मेष राशि अश्विनी नक्षत्र में 09:32 पर: कृषि उत्पादन बढ़ेगा। रुई, कपास, सूत, घी, तैल, तिल, सरसों, नारियल, सुपारी, बादाम, फल, ईख, गुड़, खांड़, शक्कर, सोना, चांदी, अलसी, तिल, तैल, अरण्ड़ा, कसुंभा, मजीठ, मेथी, हींग, अनाज, लोहा, तांबा, कपड़ा, शिंगरफ, कपूर, लाल चन्दन, मेथी, लौंग, इलायची, हींग, सुपारी, नारियल, कपूर, अरण्ड़ा तथा ऊनी वस्त्रो में तेजी बनेगी। गेहूँ, चावल, उड़द, मूंग, अरहर, चना, जौ मटर, में मंदा रहेगा। रुई में मंदी आकर तेजी बनेगी। 16 अप्रैल: शुक्र कृतिका में 22:14 पर: हींग जीरा, सुपारी, कपड़ा, चावल, अन्न, सरसों, तिल, तैल, सोना, चांदी, रुई, सूत, कपास, वस्त्र में मंदा रहेगा। किसी स्थान पर वर्षा होगी। सरसों, उड़द के उत्पादन में कमी आयेगी परन्तु अन्य धान्यो का उत्पादन सामान्य रहेगा।

17 अप्रैल 2026 : वैशाख कृष्ण अमावस्या के रेवती नक्षत्र से वर्ष श्रेष्ठ तथा मध्यान्ह 12:12 से अश्विनी नक्षत्र लगने से वर्ष मध्यम होगा। शुक्रवारी अमावस्या से चांदी में तेजी रहेगी। रुई में घटबढ़ चलेगी। शनि उदय पूर्व में 13:59 पर : मीन राशि, उ.भा. नक्षत्र, वैशाख मास में उदित शनि से में उदित शनि से कृषि की उपज कम रहेगी। लोहा, सीसा, जस्ता, लकड़ी, घास, गुड़, खांड, काले रंग की वस्तुओ तथा अनाजो में तेजी रहेगी। रुई में मंदा आयेगा। 18 अप्रैल: शनिवारी वैशाख शुक्ल प्रतिपदा तथा वैशाख शुक्ल रविवारी दशमी से रुई तथा अनाजो में तेजी चलेगी।

19 अप्रैल: शुक्र वृष में 15:47 पर: जौ, गेहूँ, चना, मटर में तेजी चलेगी। सोना चांदी में घटाबढ़ी के बाद तेजी आयेगी। रुई, कपास, चावल, घी, मादक पदार्थो में मंदा रहेगा। 20 अप्रैल 2026 : वैशाख शुक्ल तृतीया में रोहिणी नक्षत्र से वर्ष में सुभिक्ष रहेगा। शुक्ल चतुर्थी के क्षय से 15 से 30 दिनो में मूंग तथा घी में तेजी आयेगी। 21 अप्रैल 2026 : मंगलवारी पंचमी से आठ से 10 दिनो में चांदी तेज होगी।

22 अप्रै : बुध रेवती में 13:37 पर- बुधवारी शुक्ल षष्ठी से एक मास में अनाज मंहगे होगे। गेहूँ, लाल रंग की वस्तुओ, लाल मिर्च, लौंग, मजीठ, लाल चन्दन, गेरु, कुंकम, कपूर, केसर में तेजी बनेगी। चांदी, गुड़, खांड़, घी, तैल, सरसों, तिल, तिलहनो में मंदा रहेगा। 23 अप्रैल 2026 : गुरुवारी शुक्ल सप्तमी से प्रतिपदा से दशमी तक रुई में तेजी रहेगी। 24 अप्रैल: मंगल रेवती में 02:22 पर: चांदी में तेजी रहेगी। रुई में घटाबढ़ी से तेजी बनेगी। गेहूँ, जौ, चना, ज्वार, बाजरा में मंदा रहेगा। सोना में साधारण गिरावट आयेगी। 26 अप्रैल 2026 : रविवारी वैशाख शुक्ल दशमी से सफेद तथा पीली वस्तुये मंहगी होगी। रुई, कपास तथा शक्कर में तेजी आयेगी। पक्ष में रुई तथा घी में तेजी चलेगी।

27 अप्रैल: मीन राशिस्थ बुध अस्त पूर्व में 09:30 पर, शुक्र रोहिणी में 21:03 पर: गेहूँ, अलसी में तेजी रहेगी। सोना घटबढ़ में रहकर तेज होगा। रुई, चांदी में घटाबढ़ी चलेगी। तांबा, जस्ता गुड़, शक्कर, खांड़, नारियल, द्राक्ष, सुपारी में मंदा रहेगा। घी में 30 दिनो में मंदा आयेगा। किन्ही स्थानो पर उपद्रव विग्रह तथा देशो के मध्य युद्ध जैसी परिस्थितियो के योग बन रहे है।

28 अप्रैल: सूर्य भरणी में 01:18 पर- कृषि उत्तम रहेगी। सोना, तांबा, पीतल आदि धातुओ, चावल, गेहूँ, जौ, चना, मोंठ, अलसी, सरसों, राई, गुड़, खांड़, घी में तेजी आयेगी। चांदी, रुई में घटबढ़ चलेगी। किसी संक्रामक रोग के फैलने की आंशका है। आज की वर्षा से आगे वर्षा में कमी आयेगी। 30 अप्रैल: बुध मेष राशि अश्विनी नक्षत्र में 06:52 पर: सोना भाव स्थिर रहेगे। फसलो की रोग तथा कीटो से हानि से गेहूँ, जौ, चना, ज्वार, बाजरा, मोंठ, मूंग, चौपाये भूसे वाले धान्य, चौपाय मंहगे होगे। दूध, घी में घटबढ़ चलेगी। रुई में घटबढ़ से तेजी आयेगी। मूंगा, मोती आदि बहुमूल्य रत्नो, सरसों, तिल, तैल, तिलहन तथा अलसी में साधारण तेजी आयेगी। चांदी आदि धातुओ, ईख, गुड़, खांड, शक्कर, रसकस, गोला, कपास, सूत, सन में मंदा रहेगा।

__मई__ 2026

01 मई 2026 : स्वाति युत शुक्रवारी वैशाखी पूर्णिमा से चांदी, अनाज, घी, रसकस में तेजी रहेगी। रुई में मंदा रहेगा।

ज्येष्ठ मासः संवत् का ज्येष्ठ मास अधिक होने से विग्रह विवाद अधिक होगे। युद्धजनक परिस्थितियां बनेगी। प्रशासनिक भय बढ़ेगा। भ्रष्टाचार बढेगा। किसी बड़े घोटाले का पर्दाफास होगा। ज्येष्ठ मास में दो तिथियो – कृष्ण चतुर्थी तथा शुक्ल एकादशी की वृद्धि से घी, तैल, तिल तथा तिलहनो में मंदा रहेगा। पांच शनि तथा पांच रविवार युत मास में रुई की कृषि की हानि होगी। पांच **शनिवार** में –'शनैश्च पंचकं दृष्टवा पाताले कम्पते फणी। ईशान देशं भंगश्च वह्निदाहो महर्घता।।' भूकम्पो से जन–धन की हानि होगी। उत्तरी पूर्वी देशो में विग्रह होगे। सत्ता परिवर्तन होगा। राजनैतिक विग्रह होगे। चांदी में घटबढ़ चलेगी। कृषि की हानि होगी। अन्न मंहगे होगे। महगांई बढ़ेगी। अग्निकांड़, भूकम्पो से जन–धन हानि होगी। डेढ़ मास में मादक पदार्थ मंहगे होगे। पांच **रविवार** होने से – यत्र मासे रवेर्वारा जायन्ते पंच संततम्। दुर्भिक्षं छत्र भंग स्यात्तदास्ते च महद्भयं।।' वर्षा की कमी से कृषि उत्पादन प्रभावित होगा। युद्ध जैसी अफवाहों का बाजार गरम रहेगा। रुई में घटबढ़ चलेगी। अनाज में तेजी आयेगी।

02 मई : शनिवार ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा से अनाज तेज होगे। 05 मई 2026: ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्थी की वृद्धि से तीन दिनो में चांदी में मंदा आयेगा। रुई, अनाज, घी में तेजी आयेगी। 07 मई: बुध भरणी में 03:59 पर- धान्यो में घटबढ़ चलकर तेजी बनेगी। रोगो का प्रकोप बढ़ेगा। हाथी दुर्घटनाग्रस्त होगे। 08 मई: शुक्र मृगशिरा में 21:47 पर: गुड़, खांड़, शक्कर, धान्य, चावल, गुड़, शक्कर, खांड़ में तेजी आयेगी। गेहूँ, जौ, चना, मूंग, मोठ, ज्वार, घी में मंदा रहेगा। 10 मई : मध्यान्ह 12:08 रविवार से प्रारम्भ पंचको में सभी व्यापारिक वस्तुओ में तेजी चलेगी। 11 मई : मंगल मेष राशि अश्विनी नक्षत्र में 12:38 पर, सूर्य कृतिका में 19:31 पर : भूसे वाले धान्यो, गुड़, शक्कर, खांड़ रुई, सोना, चांदी, प्रवाल, मूंगा, मोती, सफेद फूल, अलसी, चावल, सरसों, राई, ऊन, रुई कपास, पाट तथा बारदाना में तेजी आयेगी। गेहूँ, जौ, चना, ज्वार, बाजरा, मूंग, चना, जौ, मोठ, मसूर, चांदी में मंदा रहेगा। राजनीति प्रेरित वाद विवाद होगे। आज की वर्षा से आगे सुभिक्ष रहेगा। 12 मई 2026 : मंगलवारी कृष्ण दशमी से गुड़ में तेजी आयेगी। 13 मई : बुध में कृतिका 11:45 पर- अन्न उत्पादन प्रभावित होगा। रुई तथा धान्यो में तेजी रहेगी। चांदी में मंदा आयेगा।

14 मई : शुक्र मिथुन में 10:53 पर: गेहूँ, जौ, चना, चावल आदि धान्य में तेजी रहेगी। रुई, कपास, सूत, कपड़ा, पटसन, बारदाना, अरण्ड़ी, तिल, तैल, सरसों, अरहर, ग्वार, मादक पदार्थो में मंदा रहेगा। चांदी, अलसी, गुड़, घी में घटाबढ़ी चलेगी। तेज हवाये चलेगी। 15 मई : ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्दशी के क्षय से चतुर्दशी से रुई तेज रहेगी। तीन दिनो में चांदी में तेजी आयेगी। अनाज, घी में मंदा बनेगा।

15 मई : बुध वृष में रात्रि 00:32 पर, सूर्य वृष में 06:22 पर : सभी व्यापारिक वस्तुओ में घटबढ़ चलेगी। चांदी, सोना, गुड़, खांड़, शक्कर, दूध, दही, घी, मादक पदार्थ, तम्बाकू, अफीम, कपास, रुई, सूत, कपड़ा, बादाम,

सुपारी, नारियल, तिल, तैल, सरसों, शस्त्र, मादक पदार्थ, चावल तेजी में रहेगे। जौ, चना, गेहूँ, मटर, अरहर, मूंग में कुछ मंदा मिलेगा। 16 मई : ज्येष्ठ कृष्ण शनिवारी अमावस्या में यदि दिन रात बादल छाये रहे तो आगे वर्षा में कमी से अनाज मंहगे होगे। चांदी, अनाज तेजी में रहेगी। रुई में घटबढ़ से तेजी आयेगी।

ज्येष्ठ अधिक मास: ज्येष्ठ मास में दो तिथियो - कृष्ण चतुर्दशी तथा शुक्ल प्रतिपदा के क्षय से घी, तैल, तिल तथा तिलहनो में तेजी रहेगी। पांच रवि तथा पांच सोमवार युत मास में रुई, सूत, चांदी के भावों में फेरफार से तेजी का रुख बनेगा। पांच **रविवार** से - अफवाहों का बाजार गरम रहेगा। रुई में घटबढ़ चलेगी। अनाजो तथा तम्बाकू में तेजी आयेगी। पांच **सोमवार** से उद्योग बढ़ेगें। व्यापारिक वस्तुओ की घटाबढ़ी के साथ एकाएक सभी वस्तुओं पर नियन्त्रण होगा। चांदी में घटबढ़ चलेगी। सोमवारी द्वितीया से श्रावण मास के रोहिणी नक्षत्र में अच्छी वर्षा होगी। ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया के प्रात: 08:41 से आर्द्रा नक्षत्र में वर्षा होने पर कृषि की हानि होगी। अनाज तेज होगे।

17 मई : रविवारी ज्येष्ठ शुक्ल प्रतिपदा में तेज हवाये तथा आंधी चलेगी। 18 मई: ज्येष्ठ शुक्ल सोमवारी द्वितीया के रोहिणी नक्षत्र से अनाजो में तेजी आयेगी। 15 से 20 दिनो में रुई तेज होगी। 19 मई: बुध रोहिणी में 14:34 पर- तिल, सूत, कपास, सोना, चांदी, तैल, सरसों, चावल, गुड़, खांड़, शक्कर में तेजी के बाद मंदे का रुख बनेगा। सन, ऊनी तथा रेशमी वस्त्रो में मंदा रहेगा। रुई में तेजी आकर मंदा होगा। 20 मई : शुक्र आर्द्रा में 00:32 पर- तेज हवा चलेगी। किसी स्थान पर वर्षा होगी। धान्यो में अचानक मंदा आयेगा। 22 मई: शुक्रवारी शुक्ल षष्ठी से एक मास में सभी वस्तुये मंहगी होगी। 23 मई : बुधोदय पश्चिम में रात्रि 04:59 पर: अधिक ज्येष्ठ मास के बुधोदय में अतिवृष्टि का योग रहेगा। चांदी, चावल, घी, तिल, तैल, अरण्ड़ी, सरसों तथा धान्यो में तेजी बनेगी। अलसी घटाबढ़ी में रहेगी। रुई, कपास, सूत, में 15 दिनो में मंदा होगा।

25 मई : सूर्य रोहिणी में 15:37 पर, बुध मृगशिरा में 23:47 पर - गेहूँ, जौ, चना, गुड़, खांड़, घी, ज्वार, बाजरा, सरसों, राई, तेल, तिल, अरण्ड़ा, अलसी, द्राक्ष, गुड़, खांड़, सुपारी, सूत, सन में तेजी आयेगी। रुई में साधारण तेजी बनेगी। चांदी, उड़द में मंदा आयेगा। वायु वेग के साथ वर्षा होगी। 29 मई : मंगल भरणी में 06:25 पर, बुध मिथुन में 11:12 पर: : गेहूँ, जौ, चना, ज्वार, बाजरा, ग्वार, मोंठ, मूंग, सोना, चांदी, पशुओ में तेजी मिलेगी। ईख, गुड़, खांड़, शक्कर में गिरावट रहेगी। सरसों एवं तरे में घटबढ़ रहेगी। तेज हवाऐं चलेगी। शुभ ग्रहो गुरु तथा शुक्र से युत बुध से अच्छी वर्षा होगी। 31 मई : शुक्र पुनर्वसु में 05:47 पर: ज्येष्ठी पूर्णिमा, अनुराधा नक्षत्र से अनावृष्टि अथवा अधिक वृष्टि से कृषि होने का योग बन रहा हैं परन्तु यह हानि आंशिक ही होगी कारण कि अनुराधा नक्षत्र मात्र 27 घटी का है। गेहूँ, जौ, चना, मटर, अरहर में तेजी बनेगी। रुई, सोना, चांदी, रुई, सूत, कपास में मंदा रहेगा।

* **जून** 2026 *

02 जून: गुरु कर्क में रात्रि 01:49 पर, बुध आर्द्रा में 06:11 पर : गेहूँ, चना का स्टॉक लाभ देगा। पश्चिमी तथा उत्तरी राज्यो में कार्तिक तथा फाल्गुन मास में सभी धान्य मंहगे रहेगे। चौपायो की हानि होगी। गुड़, खांड़, शक्कर, तेल, घी, रुई, सोना, चांदी, तांबा, मोती मंहगे होगे। मजीठ, श्वेत कपड़ा, सूत, कपड़ा, सन, जूट, सस्ता होगा। गेहूँ, जौ, चना, तिल, उड़द, मूंग, मोठ में तेजी आने के बाद मंदा आयेगा। तेज हवाऐं चलेगी। किसी स्थान पर उल्कापात होगा। 06 जून 06:03 शनिवार से प्रारम्भ पंचको में सभी व्यापारिक वस्तुओ में तेजी चलेगी। 08 जून सूर्य मृगशिरा में 13:33 पर, शुक्र कर्क में सांय 17:43 पर : जलीय उत्पादो, नारियल, सभी प्रकार के फलो, सोना, चांदी, धान्य, रेशम, सूत, सन, कपास, सन, कपूर, चन्दन, कस्तूरी, उड़द, मूंग, मेंाठ, बाजरा, अलसी, अरण्ड़ा, घी, तैल गुड़, खांड़, शक्कर में तेजी आयेगी। रुई में मंदा आकर तेजी बनेगी। गेहूँ, जौ, चना मटर, अरहर में मंदा रहेगा। पशु रोग पीड़ित होगे। तेज हवाये चलेगी। 11 जून : बुध पुनर्वसु में 11:26 पर, शुक्र पुष्य में 14:06 पर- रुई, कपास, सूत, सन, रेशम, ऊन तथा धान्यो में तेजी रहेगी। गुड़, खांड़, शक्कर, कपूर, पारा, हींग, लाख, चमड़ा, चांदी में मंदा रहेगा। उत्तम वर्षा होगी।चौरी - तस्करी बढ़ेगी। 14 जून : रविवारी कृष्ण चतुर्दशी से अनाजो में तेजी आयेगी।

15 जून : सूर्य मिथुन में 12:53 पर: सोमवारी अमावस्या से चांदी, रुई, सूत, कपड़ा आदि सफेद वस्तुओ में मंदा आयेगा। कंद-मूल, फल, पाटा, बारदाना, रेशम, सूत, कपास, रुई, सरसों, लोहा, तिल, तैल, गुड़, खांड़, शक्कर, चीनी, घी, मूंग, उड़द, गेहूँ, चना, चावल, जौ, पीले रंग की वस्तुओ में तेजी बनेगी। सोना, चांदी में तेजी का रुख रहेगा। मोती सस्ते होगे। रसकस, घी, तैल का संग्रह करने से तीसरे महीन में लाभ होगा। 16 जून : आर्द्रा युत ज्येष्ठ शुक्ल द्वितीया की वर्षा से कृषि की हानि होगी। मंगल कृतिका में 09:32 पर- गेहूँ, जौ, चना, तिल, सरसों, अलसी, चांदी, चावल, सूत, कपड़ा में तेजी मिलेगी। रुई में मंदा रहेगा। किसी रोग का प्रकोप होगा। 20 जून 2026: शनिवारी शुक्ल षष्ठी से गेहूँ मंहगे होगे। सभी अनाजो में दो मास में तेजी मिलेगी। वर्षा होगी। मंगल वृष में रात्रि 23:59 पर: चन्दन, कुंकुम, सूत, कपास, वस्त्र, बारदाना, जौं, गेहूँ, चना, उड़द, मूंग, मोठ, सरसों, अरण्ड़ी, तिल, तैल, अलसी, तोरया, कुंकुम, केशर, जूट, बारदाना, गेरु, मजीठ, कपूर तथा लाल रंग की वस्तुओ, सोना में तेजी रहेगी। रुई में तेजी आकर मंदा आयेगा। चांदी में घटबढ़ चलेगी। किन्ही स्थानो पर झगड़े झंझट होगे।

22 जून : सूर्य आर्द्रा में 12:26 पर, बुध कर्क में मध्यान्ह 15:30 पर - रुई, सूत, कपास, अलसी, अरण्ड़ा, चीनी, चावल, मोती, धान्य, कपूर, चन्दन, हल्दी, सोंठ, लोहा, चांदी, रसकस, मादक पदार्थ, जलवाहन - नौका, मोटरबोट, जलपोत तेज होगे। रसकस, धान, गुड़, खांड़, दूध, दही, मूंगफली, तैल, तिल, तेल, सरसों में अस्थाई तेजी आयेगी। इनमें तेजी के बाद मंदा बनेगा। सोने में कुछ घटाबढ़ी के बाद तेजी आयेगी। रुई, गेहूँ, जौ, चना, मटर, अरहर, श्वेत कपड़े में मंदा रहेगा। कुछ स्थानो पर अल्प वर्षा होगी। कार्तिक तथा मार्गशीर्ष मास में धान्य, घी, तैल, तिल, तिलहन

मंहगे होगे। 23 जून : शुक्र आश्लेषा में 02:08 : अच्छी वर्षा होगी परन्तु कुछ स्थानो पर वर्षा में कमी रहेगी। खाद्यान्नो में घटाबढ़ी से तेजी बनेगी। चावल, मोठ, चना, भूसा तथा धान्यो में गिरावट चलेगी। रुई, कपास में साधारण मंदा रहेगा। 29 जून : ज्येष्ठी पूर्णिमा के मूल नक्षत्र के दिन की वर्षा से अगले 60 दिनो तक वर्षा में कमी रहेगी। इन 60 दिनो के पश्चात् वर्षा होगी। बुध वक्री मध्यान्ह 11:08 पर कर्क पर : आर्थिक स्थिति चिंता जनक रहेगी। ईख, गुड़, खाण्ड़, शक्कर, घी, तैल तिल, सरसों, अलसी, मूंगफली, अरण्ड़ी, बिनौला, तिलहन, कपूर, नारियल, सुपारी, किराना में तेजी आयेगी। गेहूँ, जौं, चना तथा अन्य धान्य सस्ते होंगे। रुई में तेजी आकर मंदा होगा। चांदी में घटबढ़ चलेगी। किसी स्थान पर वर्षा होगी।

* **जुलाई** 2026 *

आषाढ़ मास : आषाढ़ मास में दो तिथियो – कृष्ण एकादशी तथा शुक्ल चतुर्थी के क्षय तथा दो तिथियो – कृष्ण प्रतिपदा तथा शुक्ल नवमी की वृद्धि से घी, तैल, तिल तथा तिलहनो में घटबढ़ चलेगी। बाजार मूल्य स्थिर नही रहेगे। पांच **मंगलवार** युत मास में – यत्र मासे महीसूनोर्जायन्ते पंच वासरा। रक्तेन पूरिता पृथ्वी छत्र भंगस्तदा भवेत्।। पश्चिमी देशों में भारी रक्तपात, आंतकवाद की घटनायें घटित होगी। छोटी छोटी छुद्र बातों पर उत्पात होगे। किन्ही स्थानों पर सत्ता परिवर्तन होगा। रोग विकार फैलेगा। लाल वस्तुओं तथा धान्यों में तेजी आयेगी। रुई, चांदी में घटबढ़ रहगी।

आषाढ़ कृष्ण पक्ष : आषाढ़ कृष्ण प्रतिपदा की वृद्धि से रुई, अनाज घी में तेजी आयेगी। तीन दिनो में चांदी में मंदा बनेगा। 02 जुलाई : बुधास्त कर्क राशि पश्चिम दिशा में 09:13 पर: रुई, चांदी में तेजी होकर मंदा आयेगा। हैसियन, बारादाना में गिरावट चलेगी। धान्य तेज होगे। 10 जुलाई : आषाढ़ कृष्ण एकादशी के क्षय से तीन दिनो में चांदी तेज होगी। रुई, अनाज, घी में मंदा बनेगा। वर्षा होगी।

04 जुलाई: शनिवार रात्रि 00:48 से प्रारम्भ पंचको में सभी व्यापारिक वस्तुओ में तेजी चलेगी। रुई में 5 से 7 टके का मंदा आयेगा। शुक सिंह राशि मघा नक्षत्र में रात्रि 19:14 पर: मंगल रोहिणी में 23:54 पर– धान्य, गुड़, खांड़, शक्कर, तांबा, गेहूँ, जौ, चना, चावल, सोना, कपड़ा, मजीठ, लाल चन्दन, केशर, मजीठ, लाल मिर्च आदि लाल रंग की वस्तुयें, कपड़ा, रेशम, हींग, सरसों, घी, तिल, तैल, मूंगफली, पशु मंहगे होगे। चांदी में पहले 2–3 दिन मंदी रहेगी। रुई 8–10 दिन मंदे में रहकर तेज होगी। सूत, सन में मंदा रहेगा। पशु रोगग्रस्त होगे। वर्षा में कमी रहेगी परन्तु यदि आज वर्षा हुई तो अगले 12 दिनो में अच्छी वर्षा होगी। 06 जुलाई: सूर्य पुनर्वसु में 12:03 पर– चांदी, सोना, कपास, बिनौला, तिल, ज्वार, मूंग, मोंठ, मसूर, बाजरा, उड़द, अलसी, सरसों, गुड़, खांड़, चावल, नमक, अरण्ड़ा, नील,

सज्जी, मजीठ, माजूफल, केसर, कपूर, देवदारु, कुसंभा, लौंग, नारियल, सफेद वस्तु, सुगन्धित पदार्थ तेज होगे। कुछ स्थानो पर वर्षा होगी। 07 जुलाई: बुध वक्री मिथुन में पूर्वान्ह 10:46 से : चौपाये मंहगे होगे। तेज हवाऐं चलेगी। सभी प्रकार के अनाज सस्ते होंगे। सरसों एवं तरे में घटबढ़ रहेगी। 15 दिनो में सोना, चांदी तथा रुई में मंदा आयेगा। 14 जुलाई : गुरु अस्त पश्चिम में 21:17 पर: मंगलवारी अमावस्या अनाजो में तेजी रहेगी। रुई चांदी, अलसी में घटबढ़ चलेगी। सोना, चांदी, अनाज में मंदा आयेगा।रुई तथा शेयरो में तेजी आयेगी।

आषाढ़ शुक्ल पक्ष : 15 जुलाई से प्रारम्भ आषाढ़ शुक्ल पक्ष में पक्ष के तीन बुधवार से घी में तेजी रहेगी। पक्ष की द्वितीया तथा नवमी गुरुवारी होने से वर्ष में उत्तम वर्षा होगी। अनाज सस्ते होगे। नवमी तथा दशमी में वर्षा न होने परन्तु तेजी हवाओ के चलने से वर्ष में कृषि कम होगी। बुधवारी आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा से अगले तीन मास में धान्यो में तेजी आयेगी। 21, 22 तथा 23 जुलाई में वर्षा न होने पर कृषि उत्पादन कम होगा।

16 जुलाई : शुक्र पू.फाल्गुनी में 19:07 पर, सूर्य कर्क में 23:39 पर- कर्क राशि आश्लेशा नक्षत्र के सूर्य में वर्षा होने से कुछ स्थानो पर धान्यो में तेजी मिलेगी। मनुष्यो तथा चौपायो में रोग फैलेगा। रुई, सूत, बादाम, सुपारी, फल, गुड़, खाण्ड़, शक्कर, तिल, नारियल, सरसों, चांदी, सोना आदि में तेजी आयेगी। घी, ज्वार, बाजरा, गेहूँ, जौ, चना, ज्वार, बाजरा, मूंग, उड़द, मटर, अरहर, चावल में मंदा रहेगा। 17 जुलाई : शुक्ल चतुर्थी के क्षय से 15 से 30 दिनो में मूंग तथा घी में तेजी आयेगी। 19 जुलाई : रविवारी शुक्ल षष्ठी से एक पक्ष में रुई, सूत, कपास, अनाज, चावल, घी मंहगे होगे। 20 जुलाई: सूर्य पुष्य में 11:28 पर- तिल, तैल, सरसों, मद्य, गुड़, खांड़, ज्वार, बाजरा, सुपारी, गुग्गल, नारियल, सौंठ, मोम, हींग, हल्दी, जूट, .नी वस्त्र, सोना, चांदी में तेजी आयेगी। रुई में तेजी आकर मंदा बनेगा।

22 जुलाई : बुधोदय मिथुन राशि पूर्व दिशा में पूर्वान्ह 11:19 पर : आषाढ़ शुक्ल पक्ष के बुधोदय सें एक मास तक अन्न में तेजी रहेगी। 18 अगस्त तक अनावृष्टि होगी। व्यापारिक वस्तुयें मंहगी होगी। गेहूँ, जौ, चना, अलसी, अरण्ड़ी, तिल, तैल, सरसों, लाल मिर्च में तेजी आयेगी। रुई में 25 दिनो तक तेजी चलेगी। चांदी में घटबढ़ी के बाद तेजी आयेगी। सोना मंदा रहेगा। 23 जुलाई : बुध मार्गी मिथुन पर सांय 16:29 पर : भारवाहक पशुओ, मूंग, मोठ, चना, घी, तिल, तेल, अरंडा, अलसी, मूंगफली आदि तिलहनो, गुड़, खांड में मंदा रहेगा। धान्यो में घटाबढ़ी रहेगी। रुई में मंदा आकर तेजी बनेगी। चांदी में घटाबढ़ी से तेजी आयेगी। 24 जुलाई: मंगल मृगशिरा में 03:21 पर- उत्तम वर्षा होगी। कपास की खेती की हानि होने से रुई में मंदा आकर तेजी बनेगी। चांदी तेजी में रहेगी। 25 जुलाई : शनिवारी आषाढ़ शुक्ल एकादशी से अनाज मंहगे होगे। 26 जुलाई मध्यान्ह 12:23 पर मीन राशि में वक्री शनि से वर्षा होगी। अनाज मंहगे होगे। राजनैतिक विवाद बढ़ेगे। 29 जुलाई: शुक्र उ.फाल्गुनी में 04:52 पर: सोना, चांदी में घटबढ़ चलेगी। सभी प्रकार के अन्नो, धान्यो तथा रुई में तेजी आयेगी। किन्ही कारणो से कृषि को हानि होगी।

श्रावण मास : पांच गुरुवार तथा पांच शुक्रवार युत मास में मास में चांदी में घटबढ़ चलेगी। पांच **गुरुवार** होने से – यत्र मासे पंचवारा जायन्ते च बृहस्पतेः। विग्रह पश्चिमी देशे खड्ग युद्धञ्च जायते।। पश्चिमी देशो में विग्रह होगे। सशस्त्र युद्ध का योग रहेगा। व्यापारिक वस्तुओ में घटाबढ़ी से मंदे का रुख रहेगा। रसकस, रुई, सूत, कपड़ा तेज रहेगा। मास के पांच **शुक्रवार** से – शुक्रस्य पंचवारास्युर्यत्र मासे निरन्त्रम्। प्रजा वृद्धि सुभिक्ष च सुखं तत्र प्रक्तते।।' अच्छी वर्षा होगी। रुई में मंदा रहेगा। मास में घी में तेजी आने पर प्राफिट बुक कर ले।

श्रावण कृष्ण पक्ष: 14 दिनो के श्रावण कृष्ण पक्ष में त्रयोदशी तिथि के क्षय से पन्द्रह दिनो में चांदी मे तेज होगी। 30 जुलाई : गुरुवारी श्रावण कृष्ण प्रतिपदा से तिल तैल, उड़द तेज होगे। 31 जुलाई: रुई में मंदा रहेगा।

* **अगस्त** 2026 *

01 अगस्त: शुक कन्या में 09:28 पर: खड़ी फसल खराब होने से मंहगाई बढ़ेगी। सोना, चावल, गुड़, खांड़, घास, ऊनी वस्त्र, गेहूँ तथा अन्य अन्न, पशु, शाल की लकड़ी तेज होगी। उत्तम क्वालिटी के चावलो – बासमती आदि में विशेष तेजी मिलेगी। चांदी घटबढ़ में रहेगी। रुई, बारदाना, घी में मंदा रहेगा। 02 अगस्त: मंगल मिथुन में रात्रि 22:51 पर- तेज वर्षा होगी। रुई, गेहूँ, अलसी, तांबा, तिल, अलसी, मिर्च, कसुंबा, मजीठ, खांड़, शक्कर, लाल रंग की वस्तुयें तेज होगी। घटबढ़ के बाद चांदी बाजार स्थिर होगे। दो मास में दूध, दही, गुड़, खांड़ आदि रसकस, अनाज, तम्बाकू में तेजी आयेगी। 03 अगस्त: सूर्य आश्लेषा में 10:24 कर्क राशि आश्लेषा नक्षत्र के सूर्य में कुछ स्थानो पर वर्षा से खाद्यान्न खराब अथवा नष्ट होगे। सोना, चांदी, रुई, बिनोला, गेहूँ, चावल, चना, उड़द, गुड़, शक्कर, ज्वार, घी, तेल, सरसों, अरण्डी, अलसी, तिल, तैल, द्राक्ष, मिर्च, नील, मादक पदार्थ में तेजी आयेगी। पूर्वोत्तर राज्यो में उपद्रव बढ़ेगे। 05 अगस्त: बुध कर्क में 19:54 पर: मादक पदार्थ, जलवाहन – नौका, मोटरबोट, जलपोत तेज होगे। रसकस, धान, गुड़, दूध, दही, तेल, मूंगफली, सरसों में तेजी के बाद मंदा बनेगा। गेहूँ, जौ, चना, मटर, अरहर, सोना, चावल, रुई, श्वेत कपड़े में मंदा रहेगा। कार्तिक तथा मार्गशीर्ष मास में धान्य, घी, तैल, तिल, तिलहन मंहगे होगे। किन्ही स्थानो पर अल्प वर्षा होगी। 07 अगस्त: श्रावण मास के कृतिका नक्षत्र में जिन क्षेत्रो में वर्षा होगी उन स्थानो पर कृषि अच्छी रहेगी। 08 अग: बुध पुष्य में 07:20 पर- सोना, चांदी, मोती, मूंगा आदि बहुमूल्यो रत्न, सूत, कपड़ा, धान्यो में मंदा आयेगा। रुई में घटाबढ़ी के बाद गिरावट रहेगी। विभिन्न वर्गो में परस्पर विश्वास बढ़ेगा परन्तु राज्यो के मध्य अविश्वास रहेगा। प्रशासनिक कठोरता बढ़ेगी। प्रशासनिक भय में वृद्धि होगी। 09 अगस्त: श्रावण कृष्ण एकादशी के दिन के मृगशिरा नक्षत्र से वर्षा कमी होगी, अन्न तेज होगे।

10 अगस्त: श्रावण कृष्ण त्रयोदशी के क्षय से त्रयोदशी से तीन दिनो में चांदी में तेजी आयेगी। रुई, अनाज घी में मंदा बनेगा। 10 अगस्त : गुरोदय कर्क राशि पूर्व दिशा में 06:22 पर : व्यापारिक वस्तुओ में तेजी रहेगी। श्रावण मास पुष्य नक्षत्र स्थित गुरु के उदय से अनाज में मंदा रहेगा। वर्षा में कमी रहेगी। रुई में घटबढ़ के बाद तेजी बनेगी। चांदी में घटबढ़ के बाद मंदा आयेगा। केसर कस्तूरी का स्टाक लाभ करेगा। 11 अगस्त : शुक्र हस्त में 06:28 पर: वर्षा में कमी रहेगी। चांदी, रुई, चावल में मंदा रहेगा। सोना में साधारण तेजी बनेगी। अन्न, गुड़, खांड़, शक्कर में घटाबढ़ी रहेगी। किसी रोग, बीमारी का प्रकोप होगा। 12 अगस्त: बुधवारी अमावस्या से अनाजों में तेजी आकर मंदा होगा। मंगल आर्द्रा में 22:34 पर- रुई, सूत, कपास, अलसी, अरंड़ा, रसकस में तेजी बनेगी। 13 अगस्त: गुरुवारी शुक्ल प्रतिपदा से 15 से 20 दिनो में चांदी मंदी, रुई तेजी होगी। 14 अगस्त: शुक्रवारी द्वितीया से 15 से 20 दिनो में रुई तेज होगी। 16 अग: बुध आश्लेषा में 02:17 पर- गुड़, खांड़, शक्कर, तिल, तैल, सरसों, अलसी, अरण्ड़ी, मूंगफली, मूंग, उड़द में तेजी रहेगी।

17 अगस्त: सूर्य सिंह राशि मघा नक्षत्र में 07:58 पर : चांदी, सोना, तांबा, रुई, कपास, गुड़, खाण्ड़, शक्कर, तिल, तैल, सरसों, अरण्ड़ा, घी, रत्न, ईख, मूंग, ज्वार, बाजरा, अरण्ड़ा, द्राक्ष, मिर्च, हल्दी, मादक पदार्थो, लाल रंग की वस्तुओ तथा बहुमूल्य रत्नो में तेजी बनेगी। मोती तथा अनाजो में कुछ मंदा रहेगा। सत्तापक्ष में परस्पर विवादो की संभावना रहेगी। सभी स्थानो पर वर्षा होगी। 18 अगस्त: मंगलवारी शुक्ल षष्ठी से गुड़, गेहूँ, मिर्च, आदि लाल रंग की वस्तुओ में तेजी रहेगी। बुध अस्त पूर्व में 09:46 पर : रुई, चांदी, सोना में घटाबढ़ी चलेगी। कर्क राशि में अस्त बुध से अलसी, गेहूँ तेज होगे। धान्यो तथा घी में 30 दिनो में मंदा आयेगा। वर्षा होगी। 18, 19 तथा 20 अगस्त श्रावण शुक्ल षष्ठी, सप्तमी तथा अष्टमी में चित्रा, स्वाति, विशाखा नक्षत्रों में वर्षा होने पर आगे वर्षा का अभाव रहेगा परन्तु मात्र 19 अगस्त में श्रावण शुक्ल सप्तमी में स्वाति के योग में वर्षा होने पर कृषि अच्छी होगी। 22 अगस्त: बुध सिंह राशि मघा नक्षत्र में रात्रि 19:32 पर: गेहूँ, जौ, चना, रुई, सूत, कपास, बारादाना, सोना, चांदी आदि धातु, खट्टे पदार्थो, औषधीय वनस्पतियो, देवदारु, रुई, सूत, ऊनी, सूती वस्त्रो में तेजी आयेगी। गुड़, खांड़, शक्कर, कपूर में मंदा रहेगा। वर्षा से कृषि की हानि होगी। 25 अगस्त: शुक्र चित्रा में 12:49 पर- प्राय: ही सभी वस्तुओ सोना, चांदी तथा समस्त धान्यो के भाव स्थिर रहेगे। रोगो का प्रकोप बढ़ेगा। 27 अगस्त : पंचक प्रारम्भ से रुई में मंदा आयेगा। 28 अगस्त : शुक्रवारी पूर्णिमा से चांदी, अनाजो में तेजी रहेगी। रुई में मंदा रहेगा।

भाद्रपद मास : पांच **शनिवार** युत होने से –'शनैश्च पंचकं दृष्टवा पाताले कम्पते फणी। ईशान देशं भंगश्च वह्निदाहो महर्घता।।' भूकम्पो से जन-धन की हानि होगी। उत्तरी पूर्वी देशो में अराजकता तथा अशान्ति रहेगी। सत्ता परिवर्तन होगा। मंहगाई बढ़ेगी। भूकम्प- अग्निकांड़ो से हानि होगी। चांदी में घटबढ़ चलेगी। वर्षा कम होगी। भाद्रपद

मास के चित्रा स्वाति तथा विशाखा अर्थात 14, 15 तथा 16 सितम्बर में यदि वर्षा न हुई तब सम्पूर्ण चातुर्मास में वर्षा का अभाव रहेगा।

29 अग : बुध पू.फाल्गुनी में 12:56 पर- धान्य, गुड़, खांड़, शक्कर में मंदा रहेगा। 31 अगस्त: सूर्य पू. फाल्गुनी में 03:59 पर: सोना, चांदी, लोहा, जूट, रुई, कपास, सूत, चावल, गेहूँ, ज्वार, गुड़, खांड़, तिल, तैल, सरसों, अरण्ड़ी, सुपारी, मादक पदार्थो, ज्वार, घी, ऊनी वस्त्रो में तेजी आयेगी।

* **सितम्बर** 2026 *

02 सितम्बर : भाद्रपद कृष्ण षष्ठी के क्षय से षष्ठी से तीन दिनो में चांदी में तेजी आयेगी। रुई, अनाज घी में मंदा बनेगा। मंगल पुनर्वसु में 13:16 पर, शुक्र तुला में मध्यान्ह 13:44 पर – सोना, गुड़, खांड़ में तेजी चलेगी। चांदी घटबढ़ में रहेगी। रुई, मादक पदार्थो में तेजी आकर मंदा होगा। कुछ स्थानो पर अराजकता फैलेगी। 04 सितम्बर: रोहिणी युत शुक्रवारी भाद्रपद कृष्ण अष्टमी से गेहूँ, जौ, चना, हल्दी, धनिया, जीरा, पारा, शीशा, गुड़, हींग, तिल, तैल, केशर, कस्तूरी का संग्रह कर बेचने से तीन मास बाद लाभ मिलेगा। 05 सित : बुध उ.फाल्गुनी में 16:29 पर- उड़द, मोठ, अरहर, मसूर एवं मूंग में साधारण तेजी बनेगी। चांदी में मंदा रहेगा। रुई में घटाबढ़ी के बाद मंदा आयेगा। 06 सितम्बर 2026 : रविवारी कृष्ण दशमी से गेहूँ, घी में तेजी रहेगी । रुई में मंदा रहेगा।

07 सितम्बर: बुध कन्या में मध्यान्ह 13:33 पर: तेज हवाओ के साथ वर्षा होगी। सोना, गुड़, खांड़, शक्कर, हल्दी, गेहूँ, जौ, चना में तेजी बनेगी। रुई, चांदी में मंदा रहेगा। छ: मास तक सोना, चन्दन, सुपारी, नारियल, शहद एवं अच्छी क्वालिटी की खांड़ में तेजी रहेगी, बाद में गिरावट आयेगी। 11 सितम्बर 2026 : शुक्रवारी अमावस्या से गेहूँ, जौ, चना में मंदा रहेगा। शुक्र स्वाति में 23:10 पर-गुड़, खांड़, शक्कर, सरसों, तैल, पशु आहारो एवं भूसी वाले धान्यो में तेजी बनेगी। किन्ही स्थानो पर उपद्रव होगे। 13 सित.: बुध हस्त में 10:45 पर, सूर्य उ.फाल्गुनी में 21:48 पर- सोना, चांदी, लोहा, तिल, तेल, सरसों, घी, चावल, उड़द, नारियल, सुपारी, मूंग, बांस, नील, जौ, ज्वार, गुड़, चीनी, जूट, कपास, हल्दी, हरड़, हींग, क्षार, कत्था में तेजी आयेगी। पशु रोग ग्रस्त होगे। अच्छी वर्षा से कृषि उत्पादन अच्छा रहेगा।धान्यो में मंदा आयेगा।

17 सितम्बर : सूर्य कन्या में 07:53 पर, कन्या राशि बुधोदय पश्चिम में 14:48 पर: हस्त नक्षत्र भाद्रपद मास के बुधोदय में अतिवर्षा होगी। उत्तम कृषि उत्पादन से मंहगाई पर प्रभावी नियन्त्रण होगा। गुरुवारी शुक्ल षष्ठी से एक मास में सभी वस्तुयें मंहगी होगी। रुई, कपास, मजीठ, नारियल, सुपारी, तिल, घी, तैल, अरण्ड़ी, सरसों, धान्य लाल रंग की वस्तुये मंहगी होगी। चांदी तथा शेयरो में गिरावट आयेगी। 18 सितम्बर: मंगल कर्क में सांय 16:35 पर:

मेडिसिन्स, सभी प्रकार के धान्य, गुड़, शक्कर, दुधारु भैंस, ईख, तिल, तैल, तांबा, मिर्च, बारदाना, गेहूँ, अलसी में तेजी मिलेगी। डेढ़ मास में रुई में मंदा आयेगा। वर्षा होगी। 21 सित : बुध चित्रा में 22:42 पर- अन्न तेज होगे। रुई में घटाबढ़ी से तेजी बनेगी। चांदी में भी घटाबढ़ी चलेगी। 22 सितम्बर : मंगलवारी भाद्रपद शुक्ल एकादशी में तेज हवाओ का चलना वर्षा होने का संकेत देगा। 23 सितम्बर : बुधवार से प्रारम्भ पंचको में रुई में मंदा रहेगा। 24 सितम्बर : मंगल पुष्य में 05:41 रुई, चांदी, सोना में अच्छी घटाबढ़ी चलेगी। 26 सितम्बर : बुध तुला में 12:38 पर: वायु वेग के साथ वर्षा होगी। शनिवारी पूर्णिमा से रुई में घटाबढ़ी के बाद मंदा आयेगा। गेहूँ, जौ, चना, गुड़, खांड़, शक्कर, घी, बारदाना, गोला, रुई, सोना, अफीम, यूनानी एवं आयुर्वेदिक औषधिया मंहगी होगी। चांदी, अलसी, सरसों, बिनोला, मूंगफली, अरंड़ी, मिर्च में मंदा चलेगा। विश्व के अनेक स्थानो पर युद्धादि से हानि होगी।

आश्विन मास: पांच रवि तथा पांच सोमवार युत मास में रुई, सूत, चांदी के भावों में फेरफार से तेजी का रुख बनेगा। पांच **रविवार** होने से - यत्र मासे रवेर्वारा जायन्ते पंच संततम्। दुर्भिक्षं छत्र भंग स्यात्तदास्ते च महद्भयं।।' वर्षा की कमी से कृषि उत्पादन प्रभावित होगा। शासन में परस्पर मतभेद बढ़ेगे। सत्ता परिवर्तन होगा। अफवाहों का बाजार गरम रहेगा। रुई में घटबढ़ चलेगी। अनाज, घी, रुई, कपास, खांड, शक्कर, चावल मंहगे होगे। पांच **सोमवार** होने से 'सोमस्य पंच वारास्तु यत्र मासे भवति हि धन धान्य समृद्धिः स्यात् सुखम् भवति सर्वदा।।' के अनुसार उद्योग बढ़ेगे। कृषि उत्पादन अच्छा रहेगा। रुई में तेजी रहेगी। चांदी में घटबढ़ चलेगी।

27 सितम्बर : सूर्य हस्त में 13:19 पर- गेहूँ, जौ, चना, गुड़, खांड़, सूत, जूट, कपास, कपड़ा, हल्दी, हींग, धनिया, घास, लकड़ी, नमक, रुई में तेजी आयेगी।

* **अक्तूबर** 2026 *

01 अक्तू: बुध स्वाति में 09:29 पर- वर्षा में कमी आयेगी। कुछ स्थानो पर मंद मंद वर्षा होगी। रुई में मंदा रहेगा। अन्न बाजार स्थिर रहेगे। 03 अक्तूबर 2026: शुक्र वक्री तुला में रात्रि 00:43 पर - 14 दिनो के आश्विन कृष्ण पक्ष में तिथि अष्टमी के क्षय से पन्द्रह दिनो में चांदी मे तेजी आयेगी। रुई, अनाज, घी तथा रसकसो में मन्दा रहेगा। 10 अक्तूबर : शनिवारी अमावस्या से रुई अनाजो में घटबढ़ से तेजी रहेगी। 11 अक .: सूर्य चित्रा में 02:20 पर, शुक्रास्त तुला राशि में पश्चिम में 07:58 पर : गेहूँ, चना, कपास, सूत, कपड़ा, तिल, सोना, चांदी, गुड़, खांड़, अरहर, लाख चपड़ा, केसर, कपूर में तेजी आयेगी। सोना, चांदी, घी, तेज, अलसी, अरण्डा, बिनौला, मूंगफली में मंदा रहेगा। रुई में घटाबढ़ी के बाद मंदा आयेगा। किसी रोग के प्रकोप का भय रहेगा। 12 अक्तू: बुध विशाखा में 18:42 पर- रुई तथा धान्यो के मूल्यो में तेजी आयेगी। 13 अक .: मंगलवारी आश्विन शुक्ल तृतीया में अनाजो में तेजी

रहेगी। 17 अक .: मंगल आश्लेषा में 12:46 पर, सूर्य तुला में 19:51 पर – गेहूँ, जौ, चना, अलसी, सोना, तांबा, घी, आंवला, पीपल, गुड़, खांड़, कसुंभा, लाल चन्दन, मजीठ, श्री फल, सुपारी में तेजी आयेगी। रुई, चांदी में मंदा आयेगा।

20 अक .: मंगलवारी आश्विन शुक्ल नवमी से कपास, उड़द का संग्रह कर चैत्र मास में बेचने से लाभ मिलेगा। 21 अक .: बुधवार से प्रारम्भ पंचको में रुई में मंदा रहेगा। 24 अक .: बुध वक्री तुला में रात्रि 00:40 पर, शुक्र (व) चित्रा में 03:22, बुधास्त पश्चिम में 12:11 पर, सूर्य स्वाति में 12:50 पर- आर्थिक स्थिति चिंता जनक रहेगी। सोना, ईख, गुड़, खाण्ड़, शक्कर, घी, तिल, तैल, जूट, लाख, सूत, कपड़ा, सरसों, अलसी, अरण्ड़ी, बिनौला, मूंगफली, तिलहनो, कपूर, नारियल, सुपारी, हल्दी, मिर्च, राई, हींग, कपूर में तेजी आयेगी। रुई, चांदी में तेजी आकर मंदा होगा। गेहूँ, जौ चना, शेयर्स, हैसियन, बारादाना में गिरावट रहेगी। किसी स्थान पर वर्षा होगी। 25 अक्तूबर 2026: रविवारी पूर्णिमा से 10 दिनो में रुई में घटबढ़ चलेगी। अलसी मंदी होगी। सरसों तथा अनाज मंहगे होगे।

कार्तिक मास : मास पांच रविवार रहित होने से मास का फल प्राय: ही शुभ रहेगा। पांच **मंगलवार** युत होने से – 'यत्र मासे महीसूनोर्जायन्ते पंच वासरा। रक्तेन पूरिता पृथ्वी छत्र भंगस्तदा भवेत्।।' पश्चिमी देशों में भारी रक्तपात, आंतकवाद की घटनायें घटित होगी। अग्निकांड़ो से हानि होगी। उत्पात होंगे। आपसी वैमनस्य बढ़ेगा। रुई तथा चांदी में घटबढ़ चलेगी। रोगो तथा अग्नि कांडो से हानि होगी।

27 अक्तूबर : 14 दिनो के अक्तूबर कृष्ण पक्ष में द्वितीया के क्षय से तीन दिनो में चांदी में तेजी आयेगी। रुई, अनाज घी में मंदा बनेगा। इसी योग से पन्द्रह दिनो में चांदी में तेजी आयेगी। 28 अक्तूबर : शुक्रोदय पूर्व में 19:08 पर : कार्तिक मास में तुला राशि के शुक्रोदय में अन्न में मंदा रहेगा। रुई, सूत, सोना, चांदी तथा घी में तेजी आयेगी। वर्षा में कमी रहेगी। 31 अक्तूबर: गुरु सिंह में मध्यान्ह 12:01 पर: किन्ही स्थानो पर जल भराव बाढ़ आदि से हानि होगी। दूध तथा दुग्ध उत्पादो की प्रचुरता रहेगी। पशु मंहगे होगे। किसी रोग का प्रकोप होगा। घी, गेहूँ, तिल, उड़द, जौ में तेजी आयेगी। चांदी, सोना, तांबा, लोहा में मंदा आकर तेजी मिलेगी।

* **नवम्बर** 2026 *

03 नव.: स्वाति (व) 05:59 पर–रुई में तेजी आयेगी। 06 नवम्बर: शुक्र वक्री कन्या राशि में रात्रि 01:04 पर, सूर्य विशाखा में 21:03 पर- कृषि की हानि होगी। खड़ी फसल खराब होने से मंहगाई बढ़ेगी। सोना, चावल, गुड़, खांड़, रुई, सूत, कपास, घास, ऊनी वस्त्र, गेहूँ, जौ, चना, सरसों, तिल, शाल की लकड़ी तेज होगी। उत्तम क्वालिटी के चावलो में विशेष तेजी आयेगी। चांदी में घटबढ़ चलेगी। रुई, बारदाना, घी में मंदा रहेगा। चौपाये मंहगे होगे। देश के पूर्वी एवं दक्षिण प्रदेशो में उपद्रव होगे। 08 नव.: रविवारी कृष्ण चतुर्दशी से अनाजो में तेजी आयेगी। 09 नव.:

सोमवारी अमावस्या से रुई, सूत, कपड़ा आदि सफेद वस्तुओ में मंदा रहेगा। दीपावली पूजन रविवारी होने से वर्ष 10 विश्वा होगा। मध्यान्ह 12:32 से कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा में सोमवार के योग से इस समय किया गया अनाजो का संग्रह आगे भाद्रपद द्वितीया से आश्विन शुक्ल 15 के मध्य लाभ देगा। 10 नव. : बुधोदय पूर्व में 00:22 पर – मंगलवारी प्रतिपदा में किया गया स्टाक आगे चलकर लाभ देगा। कार्तिक शुक्ल पक्ष में रुई में तेजी रहेगी। स्वाति नक्षत्र, कार्तिक मास के बुधोदय में सन, शाल गेहूँ, जौ, चना, अलसी, अरण्ड़ी, तिल, तैल, सरसों, लाल मिर्च में तेजी आयेगी। चांदी में घटाबढ़ी के बाद तेजी आयेगी। सोना में मंदा बनेगा। 12 नव.: मगंल सिंह राशि, मघा नक्षत्र में रात्रि 20:18 पर: वर्षा की खेंच रहेगी। तिल, उड़द, मूंग की फसल खराब होगी। रुई, गेहूँ, अलसी, सोना, चांदी, तांबा तथा लाल रंग की वस्तुओ, अनाजों में तेजी चलेगी।

13 नव.: बुध मार्गी तुला में प्रात: 09:29 पर, शुक्र मार्गी कन्या में 18:01 पर: मोती, सोना, सूत, घी, चावल तेज होंगे। रुई में मंदा आकर तेजी बनेगी। चांदी में घटाबढ़ी से तेजी आयेगी। तिल, तेल, अरंडा, अलसी, मूंगफली आदि तिलहनो, गुड़, खांड, शक्कर, औषधियो में मंदा आयेगा। अनाज, गुड़, घी के स्टाक से अच्छा लाभ होगा। 15 नवम्बर : रविवारी शुक्ल षष्ठी से एक पक्ष में रुई, सूत, कपास, अनाज, चावल, घी में तेजी आयेगी। 16 नवम्बर: सूर्य वृश्चिक में 19:43 पर – रुई, तांबा, चांदी, सोना, गुड़, खांड़, घी, दूध, रुई कपास ऊन, ऊनी वस्त्रो में तेजी रहेगी। कसुंभा, मजीठ, लाल रंग की वस्तुओ में मंदा आयेगा। 17 नव.: मंगलवार से प्रारम्भ पंचको में सभी व्यापारिक वस्तुओ में तेजी चलेगी। 19 नव.: कार्तिक शुक्ल नवमी से गेहूँ, चना, गुड़ में तेजी मिलेगी। 20 नव.: सूर्य अनुराधा में 03:04 पर– चांदी, चावल, सूत, मादक पदार्थ, गेहूँ, जौ, चना में तेजी बनेगी। सोना में मंदा आयेगा। 22 नवम्बर: शुक तुला में सांय 17:21 पर : सोना, गुड़, खांड़ में साधारण तेजी आयेगी। चांदी में घटबढ़ चलेगी। रुई में तेजी आकर मंदा होगा। धान्यो में गिरावट आयेगी। किन्ही स्थानो पर ईर्ष्या द्वेष वश उपद्रव होगे। अराजकता बढ़ेगी।

मार्गशीर्ष मास : पांच बुधवार होने से 'बुधस्य पंच वाराश्चेज्जायन्ते च निरन्तरम्। प्रजानां सुखमत्यन्तम सुभिक्ष च प्रजायेत।।' एक पक्ष में मंदे तथा एक पक्ष में तेजी का चक्र चलेगा। एक मास में गुड़, खांड, घी, तेल, तिलहन, रसकस , कपास तथा सफेद वस्तुओ के भाव बढ़ेगे। मास की धनु संक्राति से अनाजो में तेजी रहेगी। मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष के तीन बुधवार से घी में तेजी रहेगी।

25 नव : बुध विशाखा में 13:41 पर– रुई तथा धान्यो के मूल्यो में तेजी आयेगी। 27 नव.: कृष्ण पक्ष में चतुर्थी के क्षय से तीन दिनो में चांदी में तेजी आयेगी। रुई, अनाज, घी में मंदा बनेगा। 29 नव.: मार्गशीर्ष रविवारी कृष्ण षष्ठी तथा गुरुवारी दशमी से घी में तेजी रहेगी। रुई में मंदा रहेगा।

* **दिसम्बर** 2026 *

02 दिसम्बर : बुध वृश्चिक में 17:27 पर : घी, तैल, सरसो, चांदी, भूसे वाले धान्य, चौपायों में तेजी रहेगी। सोना, बाजार भाव स्थिर रहेगे। मादक पदार्थो, रुई में घटाबढ़ी के बाद तेजी आयेगी। गेहूँ, चना, जौ, अरहर, ज्वार, उड़द, मूंग तथा अनाजो में मंदा रहेगा। 03 दिस.: सूर्य ज्येष्ठा में 07:28 सोना, चांदी, गेहूँ, जौ, चना, चावल, सरसों, कपड़ा, मादक पदार्थ, गुड़, खांड़, शक्कर, अलसी, पारा, हींग, अरण्ड़ा, गूग्गल में तेजी आयेगी। रुई में मंदा आकर तेजी बनेगी। 04 दिस : बुध अनुराधा में 23:17 पर- सोना, चांदी, रुई, सूत, सन में मंदा रहेगा। धान्य बाजार भाव स्थिर रहेगे। 05 दिस.: राहु मकर में रात्रि 22:33 पर, शुक्र स्वाति में 22:59 पर- गुड़, खांड़, शक्कर, पशु आहार, भूसी वाले धान्यो में तेजी मिलेगी। सरसों में मंदा रहेगा। जौ, चना, गेहूँ, कांसा, सूत, रेशमी वस्त्र में पहले तीन मास तक मंदा रहकर बाद में अच्छी तेजी आयेगी। अत: इनका स्टाक कर विशेष रुप से सूत, कांसा का संग्रह कर लाभ बुक कर लेना चाहिये। चौरो तस्करो का उपद्रव रहेगा। 08 दिसम्बर: मंगलवारी अमावस्या से रुई, चांदी, अलसी में घटबढ़ चलेगी। अनाजो में तेजी रहेगी। 09 दिसम्बर: बुधवारी मार्गशीर्ष शुक्ल प्रतिपदा में सफेद वस्तुओ में तेजी आयेगी। अगले तीन मास में धान्य मंहगे होगे।

10 दिस.: शनि मार्गी मीन में सांय 18:01 पर : पहले किये गया अनाज का स्टाक लाभ देगा। गुरुवार में मार्गी हो रहे शनि से पांच दिनो में रुई में अच्छा मंदा आयेगा इसके बाद रुई तेज होगी। दो महीने में तिल, तैल, सरसों, हींग, मिर्च में तेजी मिलेगी। चांदी में घटबढ़ चलेगी। 11 दिस.: शुक्रवारी द्वितीया से रुई तेज होगी। चांदी में घटबढ़ के बीच तेजी का रुख बनेगा। सोना, रुई, दूध, दही घी, गेहूँ, जौ, चना, चावल, गुड़, तिल, तैल, सरसों, अलसी, मूंगफली में मंदा रहेगा। 13 दिस : बुध ज्येष्ठा में 17:18 पर- गेहूँ, जौं, चना, बाजरा, उड़द, मूंग, ग्वार, चावल, गुड़, खांड़, धान, ईख तथा घी में तेजी बनेगी। चौपायो में किसी रोग का प्रकोप रहेगा। 14 दिस.: सोमवार से प्रारम्भ पंचको में रुई में मंदा रहेगा।

15 दिसम्बर : मंगलवारी शुक्ल षष्ठी से गुड़, गेहूँ, मिर्च, आदि लाल रंग की वस्तुओ में तेजी रहेगी। 16 दिसम्बर सूर्य धनु राशि मूल नक्षत्र में 10:25 पर: रुई, कपास, सूत, तिल, तैल, सोना, चांदी, चावल, सरसों, मादक द्रव्य, कपड़ा, अलसी में तेजी आयेगी। अन्न कुछ सस्ते होगे। मध्य प्रदेश में किन्ही स्थानो पर शांति भंग होगी। 19 दिस.: मंगल पू. फाल्गुनी में 10:20 पर- गुड़, खांड़, नमक, सरसों लाही, अलसी, मूंगफली, घी तथा तैल के मूल्यो में तेजी बनेगी। किसी स्थान पर वर्षा होगी। 22 दिसम्बर : बुध धनु राशि मूल नक्षत्र में 07:39 पर, शुक्र विशाखा में 13:54 पर : ईख, गुड़, खांड़, शक्कर, चावल, सरसों, तैल, पशु आहार, भूसी वाले धान्य, मादक पदार्थ तेज होगे। गेहूँ, जौ,

चना, रुई, कपास, सूत, मटर, अरहर, मूंग, सोना, चांदी में मंदा रहेगा। किसी स्थान पर उपद्रवो से शांति व्यवस्था भंग होगी। व्यापार में अनिश्चतता के कारण व्यपारी वर्ग चिंतित रहेगा। 23 दिसम्बर : शुक्ल पूर्णिमा के क्षय तथा पूर्वान्ह 10:47 से लग रही मार्गशीर्ष पूर्णिमा में रोहिणी नक्षत्र के योग से रुई में मंदा आयेगा। गेहूँ, चावल, तैल घी, तिल में तेजी रहेगी।

पौष मास: मास पांच रविवार रहित होने से मास का फल प्राय: ही शुभ रहेगा। पांच गुरुवार तथा पांच शुक्रवार युत मास में चांदी में घटबढ़ चलेगी। पांच गुरुवार होने से – 'यत्र मासे पंचवारा जायन्ते च बृहस्पते:। विग्रह पश्चिमी देशे खड्ग युद्धञ्च जायते।।' पश्चिमी देशो में सशस्त्र युद्ध का योग बनेगा। व्यापारिक वस्तुओ में घटाबढ़ी चलेगी। रुख मंदे का रहेगा। रसकसो में तेजी चलेगी। सफेद रंग की वस्तुओ, रुई, सूत, कपड़े में तेजी आयेगी। चांदी में मंदा रहेगा। पांच शुक्रवार युत होने से – 'शुक्रस्य पंचवारास्युर्यत्र मासे निरन्त्रम्। प्रजा वृद्धि सुभिक्ष च सुखं तत्र प्रक्तते।।' चांदी में घटबढ़ रहेगी। मास की संक्राति गुरुवारी होने से अनाजो में अच्छी गिरावट आयेगी। गेहूँ, जौ, चना के अतिरिक्त अन्य अनाज सस्ते होगे।

29 दिस.: सूर्य पूर्वाषाढ़ में 12:44 पर- तिल, तेल, सरसों, गुड़, खांड़, हल्दी, गुग्गल, चांदी, कपूर, ऊनी वस्त्र, सन में तेजी बनेगी। 30 दिस : बुध पूर्वाषाढ़ में 18:31 पर- गुड़, शक्कर, खांड़, सरसों, अलसी, बिनोला, रुई, कपास में तेजी मिलेगी। गेहूँ, जौ, चना, मटर, उड़द, मूंग, बाजरा, ग्वार, सोना, चांदी में मंदा आयेगा। किसी बीमारी का प्रकोप रहेगा। आगे ग्रीष्म ऋतु में वर्षा होगी।

* **जनवरी** 2027 *

01 जनवरी : शुक्र वृश्चिक में रात्रि 23:23 पर- 'मंगल घर में शुक्र हो अन्न तेज तब जान के अनुसार' अन्न, गेहूँ, जौ, चना, उड़द मूंग, मोठ, बाजरा, ज्वार, रुई, चांदी, अलसी, भूसे वाले धान्य तेज होगे। छ: मास तक घी, दूध, रुई कपास में तेजी रहेगी। गुड़ में घटाबढ़ी रहेगी। रुई, चांदी, तम्बाकू में पहले मंदा होकर बाद में तेजी बनेगी। 07 जनवरी : पू.षा. युत अमावस्या से संवत् में अन्न तेज रहेगे। गुरुवारी अमावस्या से 10 दिनो में रुई में कुछ मंदा आयेगा। 08 जनवरी बुध उ.षाढ़ में 00:09 पर- संतोषजनक कृषि उत्पादन से धान्यो तथा अन्य व्यापारिक वस्तुओ में मंदा बनेगा। शुक्रवारी प्रतिपदा तथा पूर्णिमा से पौष शुक्ल पक्ष में रुई में मंदा रहेगा। 09 जनवरी : शनिवारी द्वितीया से 15 से 20 दिनो में रुई तेज होगी। 10 जनवरी : बुध मकर में रात्रि 00:37 पर, मंगल वक्री प्रात: 06:19 पर – पौष शुक्ल तृतीया तिथि की वृद्धि से मूंग तथा घी में तेजी रहेगी। इनका किया गया स्टाक लाभ करेगा। अनाज, रुई, सोना, चांदी, गेहूँ, तिल, तेल, अलसी, तांबा, मिर्च तथा लाल रंग की अन्य वस्तुओ में तेजी आयेगी। गुड़, खांड़, घी, तैल में मंदा आयेगा। कुछ स्थानो पर तेज हवाओ के मध्य वर्षा होगी।

14 जनवरी : सूर्य मकर में 21:10 पर- गुरुवारी शुक्ल षष्ठी से एक मास में सभी वस्तुयें मंहगी होगी। रुई, लाल वस्त्र, धान्य, घी, तिल, तैल, गुड़, खांड़, शक्कर, अलसी, मंहगी होगी। गुड़ का स्टाक दो मास के बाद लाभ देगा। गेहूँ, बारदाना में मंदे का रुख रहेगा। 15 जनवरी : पौष शुक्ल सप्तमी में रेवती के योग से इस समय अनाज का स्टाक करने से दूर रहे। पौष शुक्ल सप्तमी में रेवती, अष्टमी में अश्विनी तथा नवमी में भरणी नक्षत्र के योग के दिनो में किसी एक भी दिन यदि आकाश में बादल रहे अथवा बिजली कड़की तो आगामी चौमासे में उत्तम वर्षा होगी। 16 जन. : बुध श्रवण में 00:05 पर- गुड़, शक्कर, खांड़, चावल, चना, गेहूँ में तेजी आयेगी. खेती को पाला, ओला वृष्टि से हानि होगी। चने की फसल विशेष रुप से प्रभावित होगी। 19 जनवरी : बुधोदय पश्चिम में 12:21 पर - पौष शुक्ल एकादशी में रोहिणी नक्षत्र के योग में यदि आकाश में बादल रहे अथवा बिजली कड़की तो आगामी चौमासे में उत्तम वर्षा होगी। घी, तैल, अरण्ड़ी, सरसों तथा धान्यो में तेजी बनेगी। अलसी घटाबढ़ी में रहेगी। रुई, कपास, सूत, चांदी में 15 दिनो में मंदा होगा। 22 जनवरी : शुक्रवारी पूर्णिमा से चांदी अनाज तेज होगे। रुई में मंदा रहेगा।

माघ मास: पांच शनिवार युत माघ मास में -'शनैश्च पंचकं दृष्टवा पाताले कम्पते फणी। ईशान देशं भंगश्च वह्निदाहो महर्घता।।' भूकम्प- अग्निकांड़ो से जन-धन की हानि होगी। उत्तरी पूर्वी देशो में विग्रह होगे। सत्ता परिवर्तन होगा। राजनैतिक वाद विवाद तथा विग्रह होगे। पश्चिमी देशो में युद्धजनक परिस्थितियां बनी रहेगी। मंहगाई बढ़ेगी। माघ मास में दो तिथियो - कृष्ण चतुर्थी तथा शुक्ल पूर्णिमा के क्षय से घी, तैल, तिल तथा तिलहनो में तेजी रहेगी।

23 जन. 2027: बुध धनिष्ठा में 22:49 पर- चावल में तेजी बनेगी। सोना, चांदी, पीतल, जस्ता तथा धान्यों में गिरावट आयेगी। रुई में घटाबढ़ी चलेगी। दुधारु पशुओं में रोग फैलेगा। 25 जनवरी 2027 : गुरु वक्री कर्क राशि में रात्रि 01:32 पर- माघ कृष्ण पक्ष में चतुर्थी के क्षय से चतुर्थी से तीन दिनो में चांदी में तेजी आयेगी। रुई, गुड़, खांड़, शक्कर, उड़द, तेल, घी, सोना, चांदी, तांबा, मोती, गेहूं आदि अन्न मंहगे होगे। अनाज, घी, मजीठ, श्वेत कपड़ा सस्ता होगा। गुरु के कर्क में प्रवेश से पहले किया गया गेहूँ चना आदि का स्टॉक लाभ देगा। पश्चिमी तथा उत्तरी राज्यो में कार्तिक तथा फाल्गुन मास में सभी धान्य मंहगे रहेगे। चौपायो की हानि होगी। 28 जन. : बुध कुंभ में रात्रि 03:34 पर: मूंग, मोठ, अरहर, ज्वार, कपास, चावल, उड़द, सुपारी, सरसों, सोंठ, लाख तथा चमड़े में तेजी बनेगी। सोना, चांदी आदि धातु बाजार भाव स्थिर रहेगे। तम्बाकू, अलसी, रुई में मंदा आयेगा। गुड़, खांड़, घी, तैल में घटबढ़ रहेगी।_29 जनवरी : शुक्र धनु में सांय 18:41 पर- गेहूं, जौ, चना, शक्कर, खांड़, घी, सोना, तांबा, लोहा आदि धातुओ, कपड़े में तेजी रहेगी। कृषि की हानि होगी। रुई, सूत, कपास में पहल मंदा आकर फिर तेजी बनेगी। चांदी में मंदा रहेगा। सूत में घटाबढ़ी चलेगी। 31 जनवरी : रविवारी माघ कृष्ण दशमी की वृद्धि से तीन दिनो में चांदी में मंदा बनेगा। गेहूँ घी में तेजी रहेगी । रुई में मंदा आयेगा।

* **फरवरी** 2027 *

02 फर : बुध शतभिषा में 00:58 पर- सोना, चांदी, सन, सूत में तेजी आयेगी। कुछ स्थानो पर छींटे पड़ सकते है। 06 फर. : शनिवारी अमावस्या से अनाजो में तेजी रहेगी। रुई में घटबढ़ से तेजी आयेगी। 07 फरवरी : रविवार माघ शुक्ल प्रतिपदा से विग्रह विवाद बढ़ेगे। किन्ही देशो के मध्य युद्ध जैसी स्थिति बनेगी । 08 फरवरी: सोमवारी द्वितीया से 15 से 20 दिनो में रुई तेज होगी। 09 फरवरी: बुध वक्री कुंभ राशि में 11:07 पर-गुड़, खांड, शक्कर, तिल, तेल, अलसी, अरंडा, बिनोला, मूंगफली में तेजी होगी। गेहूं, जौ, चना, रुई में मंदा रहेगा। चांदी में घटबढ़ चलेगी। किसी स्थान पर वर्षा होगी। 11 फरवरी : गुरुवारी माघ सुदी पंचमी से वर्ष में अनाज के भाव में गिरावट आकर मंदा बनेगा। 12 फरवरी : शुक्रवारी माघ सुदी छठ से रुई में मंदा आयेगा। अन्य सभी वस्तुओ में एक मास में तेजी आयेगी। 13 फरवरी : बुधास्त पश्चिम में 11:46 पर: कुंभ राशि में अस्त बुध से तेज हवाओ , आंधियो से वृक्ष गिरेगे। पर्वतीय क्षेत्रो में बर्फबारी होगी। गेहूँ आदि अनाजो में तेजी का रुख रहेगा। 13 फर. : सूर्य कुंभ में 10:09 पर- घी, तैल, तिल, मूंगफली, अलसी, नमक, राई, सरसों गुड़, शक्कर, खांड, कसुंभा, मजीठ, लाल रंगो की अन्य वस्तुओ में तेजी चलेगी। मादक पदार्थो, रुई, पटसन, अरण्ड़ा, गेहूँ में मंदा रहेगा।

14 फरवरी : कृतिका नक्षत्र युत माघ शुक्ल अष्टमी से श्रावण मास में अनावृष्टि का योग बन रहा है। फाल्गुन मास में जौ तथा गेहूँ की फसल को कीटो से हानि होगी। शुक्ल अष्टमी में लाल रंग के चन्द्रमा से चातुर्मास में भारी वर्षा होगी। अनावृष्टि, कीटो के उपद्रव से कृषि की हानि होगी। किसी स्थान पर भूकम्प की सम्भावना रहेगी। 16 फरवरी : मंगलवारी माघ सुदी दशमी के योग से फाल्गुन मास में शिशु रोग व्याप्त होगा। 17 फर : बुध घनिष्ठा(व)में 22:12 पर- चावल में तेजी रहेगी। सोना चांदी में मंदा आयेगा। 20 फरवरी : माघी शनिवारी पूर्णिमा के क्षय से रुई में मंदा आयेगा। गेहूँ, चावल, तैल, घी, तिल में तेजी रहेगी।

24 फरवरी : बुध मकर में रात्रि 04:40 पर, शुक मकर में 15:16 पर: बारदाना, ज्वार, बाजरा में तेजी रहेगी। रुई, सूत, सन तथा चांदी में घटाबढ़ी होकर तेजी बनेगी। सोना में मंदा आयेगा। गेहूँ, जौ, चना के भावो में विशेष परिवर्तन नही होगा। गुड़, खांड़, शक्कर, घी, तेल में मंदा आयेगा। किन्ही स्थानो पर तेज हवाओ के मध्य वर्षा होगी। पाले से कृषि की हानि होगी। 25 फरवरी बुधोदय 16:29 पर : अन्न उत्पादन उत्तम होगा. पृथ्वी धान्य तथा रसकसो से पूर्ण रहेगी.

फाल्गुन मास: पांच रवि तथा पांच सोमवार युत मास में रुई, सूत, चांदी के भावों में फेरफार से तेजी का रुख बनेगा। मंगलवारी शुक्ल प्रतिपदा से फाल्गुन शुक्ल पक्ष में रुई में तेजी रहेगी। पांच **रविवार** से – 'यत्र मासे

रवेर्वारा जायन्ते पंच संततम्। दुर्भिक्षं छत्र भंग स्यात्तदास्ते च महद्भयं।।' वर्षा की कमी से कृषि उत्पादन प्रभावित होगा। अफवाहे फैलेगी। परस्पर मतभेद बढ़ेगे। सत्ता परिवर्तन होगा। रुई में घटबढ़ चलेगी। अनाज में तेजी आयेगी। घास तथा पानी की कमी अनुभव होगी। पांच **सोमवार** होने से 'सोमस्य पंच वारास्तु यत्र मासे भवति हि धन धान्य समृद्धिः स्यात् सुखम् भवति सर्वदा।।' उद्योग बढ़ेगे।

* **मार्च से** 06 **अप्रैल** 2027 तक *

02 मार्च : मंगलवारी कृष्ण दशमी से गुड़ में तेजी आयेगी। 03 मार्च : बुध मार्गी कुंभ में प्रातः 06:07 पर – रुई में मंदा आकर तेजी बनेगी। चांदी में घटाबढ़ी से तेजी आयेगी। घी, तिल, तेल, अरंडा, अलसी, मूंगफली, गुड़, खांड में मंदा रहेगा। फाल्गुन कृष्ण एकादशी की वृद्धि से तीन दिनो में अनाज, घी में तेजी मिलेगी। 07 मार्च : रविवारी कृष्ण चतुर्दशी से अनाजो में तेजी आयेगी। 08 मार्च : सोमवारी अमावस्या से रुई, सूत, चांदी, कपड़े तथा सफेद वस्तुओ में मंदा मिलेगा। 09 मार्च : मंगलवारी फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा से इस पक्ष में रुई में मंदा रहेगा। 10 मार्च वक्री मंगल कर्क में रात्रि 00:13 पर–मेडिसिन्स, तिल, तैल, तांबा, मिर्च, बारदाना, अलसी गेहूँ, सभी प्रकार के धान्यो, गुड़, शक्कर, दुधारु भैंसो तथा ईख में तेजी बनेगी। डेढ़ मास में रुई में मंदा आयेगा। 12 मार्च : बुध कुंभ में 05:07 परः मूंग, मोठ, अरहर, ज्वार, कपास, चावल, उड़द, सुपारी, सरसों, सोंठ, लाख, चमड़े में तेजी रहेगी। सोना, चांदी आदि धातु बाजार भाव स्थिर रहेगे। मादक पदार्थो, अलसी, रुई में मंदा आयेगा। गुड़, खांड़, घी, तैल में घटबढ़ रहेगी।

14 मार्च : रविवारी शुक्ल षष्ठी से रुई, सूत, कपास, चावल, घी में तेजी रहेगी। 15 मार्च : सूर्य मीन में 07:00 पर– नमक, तिल, तैल, अलसी, सरसों, घी, कसुंभा, मजीठ, गुड़, शक्कर, खांड़, रुई, सोना में तेजी रहेगी। धान्यो में पहले तेजी तथा बाद में मंदे का रुख बनेगा। चांदी में मंदा रहेगा। 19 मार्च : बुध शतभिषा में 11:56 पर– सोना, चांदी, सन, सूत में तेजी रहेगी। 21 मार्च : सरसों तथा अनाज मंहगे होगे। अलसी मंदी होगी। रविवार में पूर्णिमा के योग से रुई में घटबढ़ चलेगी। 21 मार्च : शुक्र कुंभ में 18:51 परः रुई, गेहूँ, जौ, चना, उड़द, मूंग, ज्वार, बाजरा, सफेद वस्तुये, रसकस में मंदे होगे। फल, फूल, चांदी तेज रहेगी। रोगो का प्रकोप कम होगा।

चैत्र मास : पांच **मंगलवार** युत मास में – 'यत्र मासे महीसूनोर्जायन्ते पंच वासरा। रक्तेन पूरिता पृथ्वी छत्र भंगस्तदा भवेत्।।' पश्चिमी देशों में भारी रक्तपात, आंतकवाद की घटनायें घटित होगी। छुद्र बातों पर उत्पात होगा। सत्ताधीशो में भय व्याप्त होगा। रुई तथा चांदी में घटबढ़ चलेगी।

24 मार्च : शनि अस्त 16:54 पर : रुई , अनाज, चांदी, चौपाये पशु, चन्दन, केसर आदि सुगन्धित पदार्थ तेज होगे। 28 मार्च : रविवारी कृष्ण षष्ठी तथा गुरुवारी दशमी से घी में तेजी आयेगी। रुई में मंदा रहेगा। 30 मार्च

: बुध पू.भाद्रपद में 01:03 पर- सोना, चांदी, लोहा, तांबा तथा धान्यो में मंदा रहेगा। रुई, सूत में घटाबढ़ी चलेगी। 01 अप्रैल : मंगल मार्गी सिंह में 07:38 पर : तिल, तैल तथा लाल रंग की वस्तुओ में तेजी आयेगी। रुई में तीन चार दिनो में मंदा बनेगा। 05 अप्रैल : बुध मीन में सांय 16:16 पर : रुई, कपास, बिनोला, अलसी, मेथी, लोंग में तेजी आयेगी। सोना, चांदी तेज होकर मंदे होगे। गेहूँ, चना, गुड़, शक्कर, घी, तैल, मूंगफली, अरण्ड़ा तथा मादक पदार्थो में मंदा रहेगा। घास, भूसा आदि की उपज अच्छी रहेगी. वन्य प्राणियो की हानि होगी। भारवाहक साधनो की दुर्घटनाओ के योग है। 06 अप्रैल : मंगलवारी अमावस्या से रुई, चांदी, अलसी में घटबढ़ चलेगी। अनाजो में तेजी रहेगी।

कमोडिटी मार्केटस की तेजी का संभावित रुख व्यापक ज्योतिष सिद्धांतो एवं ग्रह गोचर पर आधारित है तथा बिना किसी पूर्वाग्रह के दिया जा रहा है। बाजार की तेजी मंदी पर स्थानीय परिस्थितियों के अतिरिक्त वैश्विक एवं स्थानिक राजनैतिक वातावरण, केन्द्र तथा प्रदेश सरकार की नीतियों आदि पर निर्भर करती है। अत: बाजार में काम करने व्यापार करने से पूर्व बाजार का आकलन कर लेना हितावह है। ज्योतिषीय आधार पर किये गये व्यापार से होने वाले लाभ अथवा हानि के लिये लेखक, मुद्रक, **वेबसाईट एवं इनके मालिक** किसी भी रुप में जिम्मेदार नही होगे।